वर्ष : 17 ❖ अंक : 40 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
शनिवार, 10 सितम्बर 2022

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान में राज्यपाल वर्चुअल माध्यम से की शिरकत

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 09 सितम्बर । सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद ने आज नई दिल्ली में शुरू हुए राष्ट्रीय प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान में राज भवन से वर्चुअली शिरकत की। इस अवसर पर राज्य के स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्री एमके शर्मा, राज्य स्वास्थ्य सचिव डी आनन्दन तथा राज्य टीबी अधिकारी डॉ. अशोक राई एवं उनकी टीम भी उपस्थित रहे।

गौरतलब है कि 2025 तक देश से टीबी उन्मूलन के लक्ष्य के साथ देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने आज प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया, केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री श्रीमती भारती प्रवीण पवार के अलावा केंद्रीय मंत्रीगण, राज्यपाल तथा लेफ्टि. गवर्नर्स, स्वास्थ्य व परिवार कल्याण सचिव राजेश भूषण एवं अन्य उपस्थित रहे। इसमें विभिन्न राज्यों तथा जिला स्वास्थ्य प्रशासनों, कॉर्पोरेटों, उद्योग जगत, नागरिक संस्थाओं एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधिगण भी वर्चुअली शामिल रहे।

इस अवसर पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने नि-क्षय मित्र पहल की भी शुरुआत की जो इस अभियान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसमें लांच किया गया नि-क्षय 2.0 पोर्टल का उद्देश्य टीबी पीड़ित मरीजों को सहायता प्रदान की जायेगी। इसमें चुनिंदा प्रतिनिधियों, राजनीतिक पार्टियों से हितधारकों को नि-क्षय मित्र नियुक्त किया जायेगा।

समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने सभी से नि-क्षय 2.0 पोर्टल में पंजीकरण करवा कर इस जन आंदोलन में भागीदार बनने का आह्वान किया।

साथ ही उन्होंने आमलोगों को टीबी मरीजों के लिए उपलब्ध विभिन्न चिकित्साओं के लिए जागरूक एवं शिक्षित करने पर भी जोर दिया।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मोर्च 2018 में नई दिल्ली में आयोजित हुई टीबी समिट में 2030 तक देश को टीबी मुक्त बनाने से पांच साल पहले ही 2025 तक यह लक्ष्य प्राप्त करने का आह्वान किया है।

विधायक ने बारिश से प्रभावित इलाकों का किया दौरा

अनुगामिनी नि.सं.

पाकिम, 09 सितम्बर । विधायक ऐम प्रसाद शर्मा ने आज जिले के नामचेबुंग जीपीयू के अंतर्गत भारी बारिश से क्षतिग्रस्त हुए इलाकों को दौरा किया। इस दौरान उन्होंने पाकिम-नामचेबुंग, बस्नेत वार्ड तथा खोंगसी वार्ड में भूस्खलन से क्षतिग्रस्त हुई सड़कों एवं आमलोगों के घरों का मुआयना किया। इस दौरान उन्होंने लोगो को मानसून की समाप्ति पर निर्माण कार्य आरम्भ किये जाने का आश्वासन दिया।

वहीं पाकिम डीसी ने शीघ्रता के साथ बचाव व सुरक्षा कार्य किये जाने के बारे में जानकारी दी। वहीं इस दौरान हाल के भूस्खलन प्रभावित इलाकों में क्षतिग्रस्त घरों के लोगों में तारपोलिन का वितरण भी किया गया।

इस दौरान विधायक ऐम प्रसाद शर्मा के साथ कृषि व बागवानी विभाग के ओएसडी पीके सुब्बा, पाकिम डीसी ताशी चोफेल लेप्चा, पाकिम एसडीएम छिरिंग नोर्गेयाल थींग और स्थानीय लोग भी थे।

सिटी स्टार्टअप पार्टनरशिप समिट में राज्य के प्रतिनिधिमंडल ने लिया हिस्सा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 09 सितम्बर । देश की राजधानी नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आज आयोजित हुए जल सुरक्षा पर सिटी स्टार्टअप पार्टनरशिप समिट में राज्य के 20 सदस्यीय प्रतिनिधिदल ने शिरकत की।

इस प्रतिनिधिदल में शहरी विकास विभाग, पीएचई विभाग, शहरी स्थानीय निकायों तथा सातों यूएलबी के निर्वाचित सदस्य शामिल रहे। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर जल एवं उपयोग किये हुए पानी के क्षेत्र में खोजपरकता एवं नवोन्मेषी विकास के माध्यम से रोजगार के अवसर मुहैया कराने के लक्ष्य के साथ केंद्रीय आवास व शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा इस समिट का आयोजन किया गया। इसमें देश भर के चुनिंदा 76 स्टार्ट अप को शामिल किया गया है।

इस अवसर पर केंद्रीय आवास व शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी मुख्य अतिथि तथा मंत्रालय के राज्य मंत्री सम्मानीय अतिथि के तौर पर उपस्थित थे। समिट में शामिल सिक्किमी प्रतिनिधिमंडल जिसमें अधिकांश निर्वाचित यूएलबी सदस्य शामिल थे, ने पूरे उत्साह से भाग लिया। समिट में इस प्रतिनिधिदल के शामिल होने का उद्देश्य राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध खोजपरक एवं श्रेष्ठ उपायों को सीखना एवं उसे यहां लागू करना था।

उल्लेखनीय है कि सिक्किम सरकार के शहरी विकास विभाग ने क्षमता निर्माण हेतु यूएलबी के निर्वाचित सदस्यों को लगातार प्रशिक्षण मुहैया करा रही है। इससे पहले भी पुणे के याशादा में राज्य के 32 सदस्यों को प्रशिक्षण दिलवाया जा चुका है। इसके अलावा सितम्बर के आखिरी सप्ताह में भी सदस्यों का प्रशिक्षण प्रस्तावित है।

राज्यपाल ने स्टेट हैंडलूम एक्स्पो का किया निरीक्षण

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 09 सितम्बर । सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद ने आज दोपहर स्थानीय जीरो प्वॉयंट स्थित हस्तशिल्प एवं हथकरघा निदेशालय के परिसर में आयोजित स्टेट हैंडलूम एक्स्पो का निरीक्षण किया।

वहां हस्तशिल्प एवं हथकरघा विभाग के डिप्टी डायरेक्टर जिग्मी पिंछो भूटिया तथा छिरिंग दोरजी ग्याछो ने उनका स्वागत किया। राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम के अंतर्गत सिक्किम सरकार के हस्तशिल्प एवं हथकरघा विभाग द्वारा आयोजित यह एक्स्पो 19 सितम्बर तक चलेगा।

इस दौरान राज्यपाल ने मेले में शामिल स्टॉलों का मुआयना किया और प्रदर्शकों से बातचीत करते हुए हस्तकला व हस्तनिर्मित वस्तुओं पर गहरी रुचि दिखायी। इस मेले में अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, नागालैंड, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, लद्दाख, जम्मू-कश्मीर के अलावा स्थानीय स्वयंसेवी समूह के कुल 60 स्टाल लगे हैं।

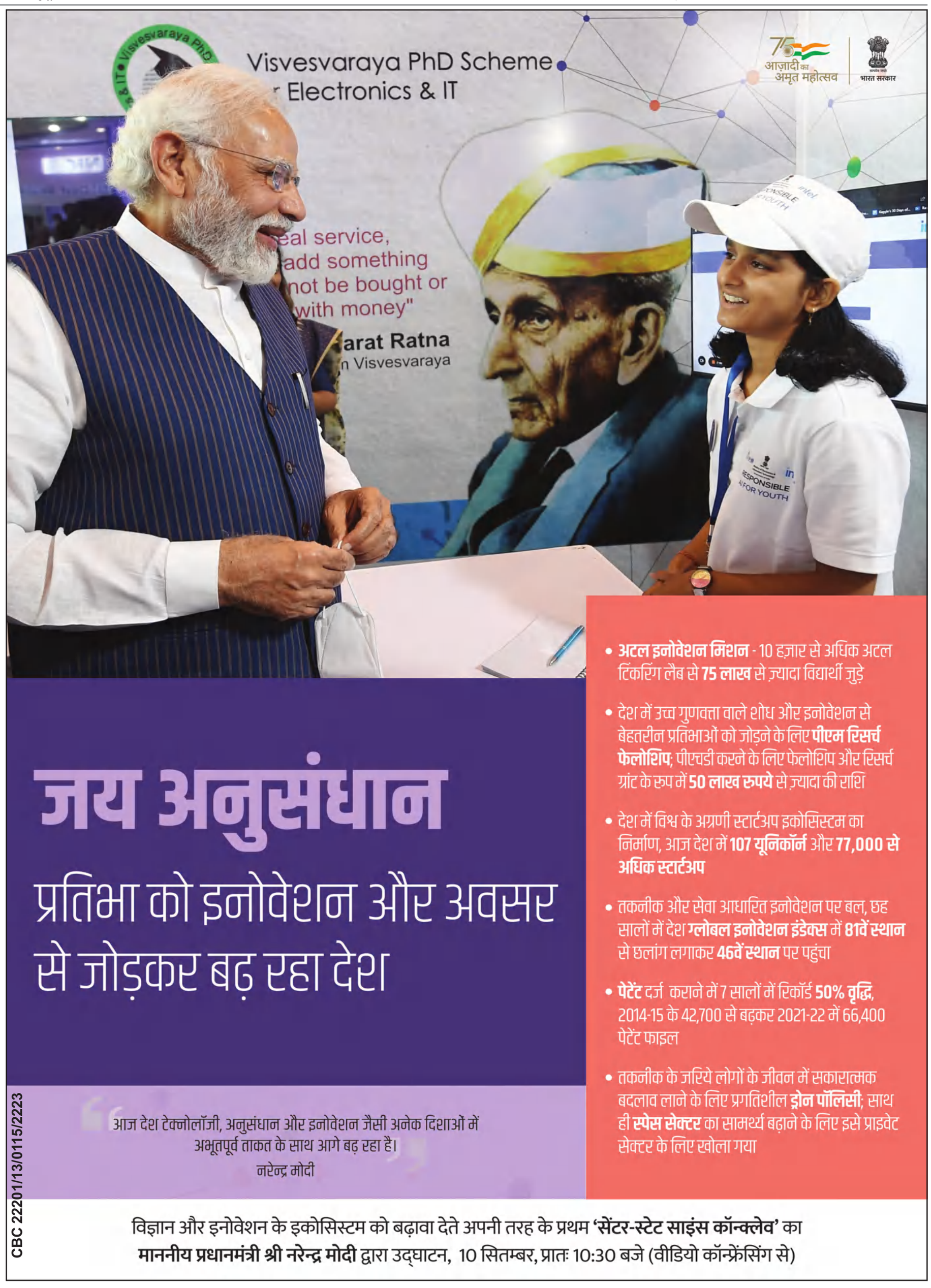

राजस्थान पहुंचे अमित शाह, कई कार्यक्रमों में करेंगे शिरकत

जयपुर, 09 सितम्बर (एजेन्सी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को राजस्थान के दो दिवसीय दौरे पर जैसलमेर पहुंचे। शाह शुक्रवार शाम जैसलमेर के वायुसेना स्टेशन पर पहुंचे जहां केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने उनकी अगवानी की। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह का दाबला (जैसलमेर) में दक्षिण सेक्टर मुख्यालय में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अधिकारियों के साथ बातचीत करने का कार्यक्रम है। शनिवार को शाह तनोट मंदिर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। इसके बाद वह जोधपुर जाएंगे।

शाह जोधपुर के एक होटल में भाजपा ओबीसी मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक के समापन सत्र को संबोधित करेंगे। भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लक्ष्मण, केंद्रीय श्रम मंत्री भूपेंद्र यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया ने शुक्रवार सुबह जोधपुर में दो दिवसीय कार्यसमिति की बैठक का उद्घाटन किया। ओबीसी मोर्चा की बैठक के समापन सत्र के तुरंत बाद मंत्री जोधपुर के दशहरा मैदान में होने वाली बूथ कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करेंगे। इस बैठक के लिए पूरे संभाग के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को जुटाया जा रहा है।

पार्टी के एक नेता ने कहा, 'पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक ऐतिहासिक होने जा रही है।' ओबीसी मोर्चे की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति का उद्देश्य राज्य में 2023 के विधानसभा चुनावों से पहले राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) वोट बैंक को मजबूत करना है। जोधपुर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का गृहनगर है जो ओबीसी श्रेणी से आते हैं।

मारवाड़ के नाम से विख्यात जोधपुर इलाका, राजस्थान का सबसे बड़ा संभाग है जिसमें छह जिले जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर, जालोर, सिरोही, पाली जिले शामिल हैं। कुल 200 विधानसभा क्षेत्रों में से 33 विधानसभा क्षेत्र जोधपुर संभाग में हैं, जिनमें से 10 अकेले जोधपुर जिले में हैं। इनमें से 14 वर्तमान में भाजपा के पास, 17 कांग्रेस के पास, 1 निर्दलीय और 1 राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के पास है। राजस्थान में विधानसभा चुनाव अगले साल के अंत में होने हैं।

वकील का दावा- उमर खालिद का दिल्ली दंगे से कोई आपराधिक संबंध नहीं, जमानत अर्जी पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली, 09 सितम्बर (एजेन्सी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने फरवरी 2020 के दंगे के पीछे की कथित साजिश से जुड़े यूएपीए मामले में उमर खालिद की जमानत अर्जी पर शुक्रवार को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के इस पूर्व छात्र ने दलील दी कि इस हिंसा में उसकी कोई आपराधिक भूमिका 'नहीं थी और न ही इस मामले के किसी भी आरोपी के साथ उसका कोई आपराधिक संबंध' है। उसे दिल्ली पुलिस ने सितंबर 2020 में गिरफ्तार किया था। उसने कहा कि उसके विरूद्ध अभियोजन के मामले के पक्ष में कोई सामग्री नहीं है और यह कि उसने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) समेत उन्हीं मुद्दों को उठाया है जिनके बारे में देश में कई अन्य चर्चा कर रहे थे।

उसने कहा कि ऐसे मुद्दों को उठाने में कुछ भी गैर कानूनी नहीं है। उसने यह भी कहा कि अमरावती का जो भाषण उसके विरूद्ध आरोपों का आधार है, उसमें न केवल अहिंसा का स्पष्ट आह्वान किया गया था बल्कि उससे कहीं कोई हिंसा भी नहीं भड़की थी।

खालिद की ओर से उसके वकील त्रिदीप पैस ने न्यायमूर्ति सिद्धार्थ मृदुल की अगुवाई वाली पीठ से कहा, जिस एकमात्र प्रत्यक्ष कृत्य को लेकर मुझे जिम्मेदार ठहराया गया है, वह (महाराष्ट्र के अमरावती का) भाषण है....वह एक सार्वजनिक कार्यक्रम था। उससे कहीं कोई हिंसा नहीं भड़की। डोनाल्ड ट्रप अहमदाबाद गये थे (और वहां तो हिंसा नहीं हुई)। यदि हम चाहें तो हमें भारत में कहीं भी जाने एवं भाषण देने की आजादी है।''

न्यायमूर्ति मृदुल और न्यायमूर्ति रजनीश भटनागर की पीठ से खालिद की ओर से उसके वकील ने कहा, मेरे भाषण में अहिंसा का स्पष्ट आह्वान था और मैं माननीय न्यायाधीशों से अनुरोध करता हूं कि पूर्णता में उस भाषण को पढ़ें न कि उस तरीके से, जिस तरीके से मेरे मित्र (अभियोजक) बाल की खाल निकालना चाहते हैं। वह एक वाक्य लेकर उसे सामने रखते हैं और अटकलें लगाते हैं। उस भाषण में किसी अन्य आरोपी, या किसी हिंसा से कोई आपराधिक संबंध नहीं झलकता है।'' खालिद, शरजील इमाम और कई अन्य पर फरवरी, 2020 के दगों के कथित मुख्य साजिशकर्ता' होने के नाते अवैध गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम एंव भादंसं की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था।

यहां इस दंगे में 53 लोगों की जान चली गयी थी और 700 से अधिक लोग घायल हुए थे। सीएए और एनआरसी के विरूद्ध प्रदर्शन के दौरान यह हिंसा हुई थी। अदालत ने अप्रैल में खालिद की जमानत अर्जी पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया था। दिल्ली पुलिस का पक्ष रखते हुए वरिष्ठ सरकारी वकील अमित प्रसाद ने खालिद की जमानत अर्जी का विरोध किया और कहा कि अमरावती का उसका भाषण बहुत ही नापतौल कर दिया गया भाषण' था जिसमें बाबरी मस्जिद, तीन तलाक, कश्मीर में मुसलमानों का उत्पीड़न, संशोधित नागरिकता कानून, राष्ट्रीय नागरिकता पंजी समेत कई बिंदु थे।

इस पर खालिद के वकील ने कहा, क्या अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी बनाने या तीन तलाक के खात्मे या सीएए का विरोध करना अपने आप में अवैध है? नहीं। ऐसा नहीं है कि बस दो लोग सीएए के विरूद्ध थे • कई ऐसे लोग हैं, (जो उसक विरूद्ध हैं)। पूर्व न्यायाधीशों ने भी सीएए के विरूद्ध बयान दिया।'' वरिष्ठ वकील ने कहा कि उनके मुवक्किल के विरूद्ध चक्का जाम की पैरवी' का आरोप नहीं है और यह कि जांच अभी जारी है एवं यह मामला सुनवाई से पहले दस्तावेजों की आपूर्ति के चरण में है और इस मामले में 850 गवाह हैं, ऐसे में खालिद को रिहा किया जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से पूछा- क्या इंटरनेट बंद करने को लेकर कोई प्रोटोकॉल है?

नई दिल्ली, 09 सितम्बर (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने अरुणाचल प्रदेश, गुजरात, राजस्थान और पश्चिम बंगाल में मनमाने ढंग से इंटरनेट बंद करने का आरोप लगाने वाली याचिका पर शुक्रवार को केंद्र से यह कहते हुए जवाब मांगा कि वह जानना चाहता है कि क्या इस मसले पर कोई प्रोटोकॉल' है। प्रधान न्यायाधीश उदय उमेश ललित, न्यायमूर्ति एस. रवींद्र भट और न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा की पीठ ने कहा कि याचिका में पक्षकार बनाए गए चार राज्यों को नोटिस जारी करने के बजाय वह इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) को नोटिस जारी करेगी।

पीठ ने कहा, हम केवल केंद्र (एमईआईटीवाई) को नोटिस जारी करते हैं कि क्या इस शिकायत के संबंध में कोई मानक प्रोटोकॉल है या नहीं।'' सॉफ्टवेयर लॉ सेंटर की ओर से दायर जनहित याचिका में आरोप लगाया गया है कि कुछ प्रतियोगी परीक्षाओं में नकल रोकने के लिए भी इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। वकील वृंदा ग्रोवर ने पीठ को बताया कि कलकत्ता और राजस्थान के उच्च न्यायालयों में याचिकाएं दायर की गई थीं।

पीठ ने पूछा, आप उच्च न्यायालयों का रुख क्यों नहीं कर सकते? आप पहले ही ऐसा कर चुके हैं।'' पीठ ने आगे कहा कि अनुराधा भसीन मामले में शीर्ष अदालत के फैसले पर अमल को लेकर उच्च न्यायालयों से अनुरोध किया जा सकता है। अनुराधा भसीन बनाम भारत सरकार' मामले में, शीर्ष अदालत ने फैसला सुनाया था कि इंटरनेट सेवाओं पर एक अपरिभाषित प्रतिबंध अवैध है और इंटरनेट बंद करने के आदेशों को आवश्यकताओं और आनुपातिकता की जांच में खरा उतरना चाहिए।

ग्रोवर ने कहा, राजस्थान सरकार ने उच्च न्यायालय से कहा था कि इंटरनेट बंद नहीं होगा, लेकिन कुछ समय बाद प्रतिबंध लगा दिया गया।'' वकील ने कहा कि एक संसदीय समिति ने भी कहा था कि परीक्षाओं में नकल रोकने के लिए ऐसा कदम नहीं उठाया जाना चाहिए। वकील ने कहा, वे कहते हैं कि यह परीक्षा में धोखाधड़ी रोकने के लिए है, लेकिन आज जब हम सब कुछ डिजिटल रूप से कर रहे हैं तो क्या आनुपातिकता इसकी (इंटरनेट बंद करने की) अनुमति देगी।'' जनहित याचिका में हाल ही में राजस्थान में सांप्रदायिक हिंसा भड़कने के दौरान भी इंटरनेट बंद किये जाने का उल्लेख किया गया है।

पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा को राहत, न्यायालय ने मानहानि मामले में आदेश में दखल देने से किया इनकार

नई दिल्ली, 09 सितम्बर (एजेन्सी)। उच्चतम न्यायालय ने पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा को राहत देते हुए शुक्रवार को कर्नाटक उच्च न्यायालय के उस आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया जिसमें एक निचली अदालत के उस आदेश पर रोक लगा दी गई थी जिसमें उन्हें मानहानि के मामले में एक कंपनी को दो करोड़ रुपए देने को कहा गया था। हालांकि, शीर्ष अदालत ने स्वीकार किया कि प्रभावशाली सार्वजनिक हस्तियों द्वारा कॉर्पोरेट संस्थाओं के खिलाफ दिए गए बयान उनकी प्रतिष्ठा, प्रतिभूतियों की कीमतों और निवेश को प्रभावित करते हैं।

निचली अदालत ने देवेगौड़ा को 10 साल पहले एक टेलीविजन साक्षात्कार में कंपनी के खिलाफ दिए गए उनके 'मानहानिकारक बयान' को लेकर 17 जून, 2021 को नंदी इन्फ्रास्ट्रक्चर कॉरिडोर एंटरप्राइजेज (एनआईसीई) को नुकसान के रूप में दो करोड़ रुपए का भुगतान करने का निर्देश दिया था। निचली अदालत के इस आदेश पर उच्च न्यायालय ने रोक लगा दी थी। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने कंपनी की अपील पर सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया।

अब केवल कानूनी लोन ऐप्स ही ऐप स्टोर पर होंगे उपलब्ध : केंद्र

नई दिल्ली, 09 सितम्बर (एजेन्सी)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) सभी कानूनी ऐप्स की एक 'व्हाइट लिस्ट' तैयार करेगा और केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय यह सुनिश्चित करेगा कि केवल ये 'व्हाइट लिस्ट' ऐप ही ऐप स्टोर पर होस्ट किए जाएं।

यह निर्णय गुरुवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में अवैध लोन ऐप्स से संबंधित मुद्दों पर एक उच्च स्तरीय बैठक में लिया गया।

आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि बैठक में यह निर्णय लिया गया कि आरबीआई 'रेंटिड' खातों की निगरानी करेगा, जिनका इस्तेमाल मनी लॉन्ड्रिंग के लिए किया जा सकता है और इसके दुरुपयोग से बचने के लिए निष्क्रिय गैर-बैंक वित्त संस्थानों या एनबीएफसी को रद्द कर दिया जाएगा।

आरबीआई यह भी सुनिश्चित करेगा कि भुगतान एग्रीगेटर्स का पंजीकरण एक समय सीमा के भीतर पूरा हो गया है और उसके बाद किसी भी अपंजीकृत भुगतान एग्रीगेटर को कार्य करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय को मुखौटा कंपनियों की पहचान करने और उनके दुरुपयोग को रोकने के लिए उनका पंजीकरण रद्द करने के लिए कहा गया है।

सीतारमण ने अवैध ऋण ऐप के बढ़ते मामलों पर चिंता व्यक्त की, जो ज्यादातर समाज के कमजोर वर्गों को ऋण की पेशकश करते हैं, उच्च ब्याज दरों की पेशकश करते हैं और फिर राशि की वसूली के लिए डराने-धमकाने वाले हथकंडे अपनाते हैं।

उन्होंने ऐसे एग्रीगेटर्स द्वारा मनी लॉन्ड्रिंग, कर चोरी और डेटा उल्लंघनों की संभावना पर भी प्रकाश डाला।

मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि ग्राहकों, बैंक कर्मचारियों, कानून प्रवर्तन एजेंसियों और अन्य हितधारकों के लिए साइबर जागरूकता बढ़ाने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए।

बैठक में वित्त सचिव, आर्थिक मामलों के सचिव, बैंकिंग सचिव के साथ-साथ कॉर्पोरेट मामलों और आईटी जैसे मंत्रालयों के सचिवों ने भाग लिया।

2024 की जंग के लिए बीजेपी ने खोले पत्ते, 15 राज्यों में तय किए 'सेनापति'

नई दिल्ली, 09 सितम्बर (एजेन्सी)। साल 2024 लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा ने 15 राज्यों में प्रभारी और सह प्रभारियों का ऐलान कर दिया है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने यह सूची जारी की गई है। इन में बिहार, मध्यप्रदेश, राजस्थान, पश्चिम बंगाल समेत कुल 15 राज्य शामिल हैं। बिहार में विनोद तावड़े, बिख़्लब कुमार देब को हरियाणा, प्रकाश जावड़ेकर को केरल, मंगल पांडे को पश्चिम बंगाल जबकि संबित पात्रा को पूर्वोत्तर का प्रभारी नियुक्त किया गया है।

भाजपा के महासचिव अरुण सिंह की ओर से जारी की गई सूची के मुताबिक, संबित पात्रा को पूर्वोत्तर, विनोद तावड़े को बिहार, महेश शर्मा को त्रिपुरा, लक्ष्मीकांत वाजपेयी को झारखंड, प्रकाश जावडेकर को केरल, राधामोहन अग्रवाल को लक्षद्वीप, ओम माथुर को छत्तीसगढ़, बिप्लब कुमार देब को हरियाणा, पी मुरलीधर राव को मध्य प्रदेश, विजय रूपाणी को पंजाब और चंडीगढ़, तरुण चुघ को तेलंगाना, अरुण सिंह को राजस्थान और मंगल पांडे को पश्चिम बंगाल का प्रभारी नियुक्त किया गया है।

भाजपा की ओर से जारी सूची के मुताबिक, सांसद डॉ. राधामोहन अग्रवाल को केरल, पंकजा मुंडे और डॉ. रमाशंकर कठेरिया को मध्य प्रदेश, नरिंदर सिंह रैना को पंजाब, सांसद हरीश द्विवेदी को बिहार, अरविंद मेनन को तेलंगाना, विधायक नितिन नबीन को छत्तीसगढ़, विजया राहटकर को राजस्थान, अमित मालवीय और आशा लकड़ा को पश्चिम बंगाल और रितुराज सिन्हा को उत्तर पूर्वी प्रदेशों में सह प्रभारी बनाया गया है।

हाल ही में भाजपा ने साल 2024 इलेक्शन के मद्देनजर एक बड़ी बैठक आहूत की थी। इस बैठक में अमित शाह और जेपी नड्डा की अगुवाई में यह निर्णय लिया गया कि 2019 के चुनाव में जिन सीटों में भाजपा बेहद मामूली अंतर से हारी, उन सीटों पर खास तौर से फोकस किया जाएगा। इसके लिए केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों को लगाया गया है।

दरअसल, साल 2014 में 282, 2019 में 300 पार हासिल कर चुकी भाजपा अब 350 से ज्यादा सीटों का लक्ष्य साध रही है। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र शेखावत कहते हैं, 'मुझे लगता है कि इस बार यह यात्रा 350 के पार जाकर खत्म होगी। बिहार में हमने 35 सीटों जीतने का लक्ष्य रखा है।

भाजपा 100 फीसदी प्रदर्शन करेगी। इतिहास पहले भी दोहराया गया है और इस बार फिर दोहराया जाएगा। इस बार नया रिकॉर्ड होगा।'

केजरीवाल ने एलजी से मुलाकात के बाद कहा- जो कुछ हुआ वह दुर्भाग्यपूर्ण, उम्मीद है कि हालात सुधरेंगे

नई दिल्ली, 09 सितम्बर (एजेन्सी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मनीष सिसोदिया के आवास पर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की छापेमारी के बाद शुक्रवार को पहली बार उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना से मुलाकात की और कहा कि जो कुछ भी हुआ वह दुर्भाग्यपूर्ण'' था और उम्मीद है कि स्थिति में सुधार होगा। उपराज्यपाल के साथ आम आदमी पार्टी (आप) की खींचतान के बीच, केजरीवाल पिछली तीन साप्ताहिक बैठकों में शामिल नहीं हुए थे।

बैठक प्रत्येक शुक्रवार को आयोजित की जाती है। इसमें 19 अगस्त को उपमुख्यमंत्री सिसोदिया के आवास पर छापेमारी वाला दिन भी शामिल है। सिसोदिया के आवास पर यह छापेमारी दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 में कथित अनियमितता के सिलसिले में की गई थी। दरअसल, उपराज्यपाल सक्सेना ने शराब नीति में कथित घोटाले में सीबीआई जांच की सिफारिश की थी। बैठक के बाद केजरीवाल ने संवाददाताओं से कहा, जो भी हुआ वह दुर्भाग्यपूर्ण था। मुझे उम्मीद है कि स्थिति में सुधार होगा। बेहद सौहार्दपूर्ण माहौल में हमारी चर्चा हुई।''

केजरीवाल ने कहा कि पिछले कुछ सप्ताह में शुक्रवार को होने वाली बैठक नहीं हुई, क्योंकि संयोगवश' वह दिल्ली से बाहर थे। आप के राष्ट्रीय संयोजक ने कहा, आज की बैठक बहुत अच्छी रही...कई मुद्दों पर चर्चा हुई। मैंने उनसे दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के कार्य में सुधार का अनुरोध किया, क्योंकि शहर में गंदगी एक बड़ा मुद्दा बन गया है। मैंने कचरे के विशाल भंडार को हटाने में दिल्ली सरकार की मदद की भी पेशकश की।'' दोनों के बीच बैठक करीब 40 मिनट तक चली। गौरतलब है कि दिल्ली सरकार की आबकारी नीति 2021-22 की सीबीआई जांच की सिफारिश के बाद से आप नीत दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल के बीच संबंध बिगड़े हैं।

जम्मू-कश्मीर प्रशासनिक सेवा के 16 अधिकारी आईएएस में शामिल : जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली, 09 सितम्बर (एजेन्सी)। कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार को कहा कि जम्मू कश्मीर प्रशासनिक सेवा (जेकेएएस) के 16 अधिकारियों को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में शामिल किया गया है और अन्य आठ रिक्तियों को जल्द ही भरा जाएगा।

उन्होंने कहा कि 12 साल के लंबे अंतराल के बाद जम्मू-कश्मीर प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को प्रतिष्ठित भारतीय प्रशासनिक सेवा का हिस्सा बनने का अवसर मिलेगा।

जितेंद्र सिंह ने कहा कि कार्मिक तथा प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के प्रतिनियुक्ति नियम में छूट दिए गए हैं ताकि भारतीय प्रशासनिक सेवा तथा अन्य अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों के साथ-साथ केन्द्रीय सेवाओं के अधिकारियों को जम्मू और कश्मीर में पदस्थापन के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

एक सरकारी बयान के अनुसार नवगठित केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर में अधिकारियों की कमी को दूर करने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में मीडिया को जानकारी देते हुए सिंह ने कहा कि विभिन्न सेवाओं और संवर्गों से जुड़े 22 अधिकारियों को जम्मू-कश्मीर में विभिन्न स्तरों पर तैनात किया गया है।

उन्होंने कहा कि कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग ने जेकेएएस अधिकारियों को आईएएस में शामिल करने में जम्मू-कश्मीर, गृह मंत्रालय तथा संघ लोक सेवा आयोग के साथ तालमेल करके अहम भूमिका निभाई है।

जितेंद्र सिंह ने कहा, 'इसके परिणामस्वरूप हाल में जेकेएएस सेवा के 16 अधिकारियों को आईएएस में शामिल किया गया है और आठ अन्य रिक्तियां शीघ्र भरी जाएंगी, जिससे जम्मू-कश्मीर प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को 12 वर्षों के लम्बे अंतराल के बाद प्रतिष्ठित भारतीय प्रशासनिक सेवा का हिस्सा बनने का अवसर मिलेगा।'

उन्होंने कार्मिक लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय द्वारा की गई कुछ पहलों की भी जानकारी दी। इन पहलों में सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों में काम करने वाले केन्द्रीय कर्मचारियों या केन्द्र सरकार के नियंत्रण में आने वाले उपक्रमों में काम करने वाले कर्मचारियों को विशेष रियायत प्रोत्साहन शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि एक अगस्त, 2021 से उन्हें तीन वर्ष की अवधि के लिए विशेष रियायतें दी गई हैं। इन प्रोत्साहनों में अतिरिक्त मकान किराया भत्ता, संयुक्त हस्तांतरण अनुदान, दैनिक भत्ता, अस्थायी ड्यूटी अवधि के लिए प्रोत्साहन, भोजन भत्ता, संबंधित प्रावधानों में छूट के कारण बसने के स्थान पर पेंशन लेने की सुविधा शामिल हैं।

Department of Information and Public Relations
Government of Sikkim

PANG LHABSOL CELEBRATION 2022

Shri Ganga Prasad
Hon'ble Governor of Sikkim

Shri Prem Singh Tamang (Golay)
Hon'ble Chief Minister of Sikkim

Celebrated on the 15th day of the 7th month of the Tibetan Calendar, Pang Lhabsol festival commemorates the consecration of Mt. Khangchendzonga as the guardian deity of Sikkim. The mountain god is invoked and prayed upon during Pang Lhabsol to continue protecting Sikkim.

The spectacular Pangtoed Chaam that was choreographed by the 3rd Chogyal Chador Namgyal after it appeared to him in a dream is one of the most striking features of Pang Lhabsol celebration in Sikkim.

R.O. No. 241/IPR/PUB/DIS/22-23, DT.: 07.09.22

रूस से दूरी नहीं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईस्टर्न इकॉनमिक फोरम की सातवीं बैठक में अपने भाषण से एक बार फिर स्पष्ट कर दिया कि भारत की नीति अन्य देशों और संगठनों के हितों तथा उनकी प्राथमिकताओं से तय नहीं होने वाली। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भारत आर्कटिक मसलों पर रूस के साथ साझेदारी मजबूत करने का इच्छुक है। उन्होंने रूस से कोकिंग कोल का आयात बढ़ाने की संभावनाओं का तो जिक्र किया ही, यह भी कहा कि पूर्वी रूस के विकास में भारतीय प्रफेशनल टैलंट अहम भूमिका निभा सकते हैं। यहां तक कि उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन के नेतृत्व की भी तारीफ की। हालांकि यह तारीफ रूस के पूर्वी क्षेत्रों के विकास के सीमित संदर्भ में की गई थी, लेकिन फिर भी मौजूदा वैश्विक संदर्भों में इसकी अहमियत को अनदेखा नहीं किया जा सकता।

प्रधानमंत्री ने ये बातें ऐसे समय में कही हैं, जब पश्चिमी देश बार-बार संकेत दे रहे हैं कि रूस के साथ भारत की व्यापारिक गतिविधियां उनकी आंखों में खटक रही हैं। भले अमेरिका समेत किसी भी देश ने इस पर सीधे आपत्ति नहीं की, लेकिन उनकी लगातार यह कोशिश रही है कि धीरे-धीरे ही सही इसमें कमी की जाए। इन्हीं कोशिशों के तहत अब रूस के तेल की कीमतों पर कैप लगाने की बात भी की जा रही है। मगर प्रधानमंत्री के इस भाषण ने उन तमाम परोक्ष संकेतों और दबाव बनाने की कोशिशों को एक झटके में अप्रासंगिक बना दिया। अब बात तेल आयात करने या हथियारों की खेप मंगाने तक सीमित नहीं रही। अन्य क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ाने की हो गई है।

यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से देखा जाए तो यह भारत की ओर से राजनीतिक स्तर पर पश्चिमी देशों को दिया गया अब तक का सबसे स्पष्ट संकेत कहा जा सकता है। यह इस लिहाज से भी अहम है कि अगले सप्ताह ही उज्बेकिस्तान में होने वाली एससीओ (शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन) शिखर बैठक में रूसी राष्ट्रपति पूतिन और प्रधानमंत्री मोदी की आमने-सामने मुलाकात होने वाली है। हालांकि इन सबका मतलब यह नहीं माना जा सकता कि यूक्रेन युद्ध के मसले पर भारत के स्टैंड में कोई बदलाव आ गया है। गौर करने की बात है कि ईस्टर्न इकॉनमिक फोरम की उस बैठक में पूतिन यूक्रेन युद्ध का जिक्र करने से बचते रहे, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल उसका जिक्र किया और उसकी वजह से वैश्विक स्तर पर सप्लाई लाइन में आ रही दिक्कतों का मुद्दा उठाया बल्कि युद्ध बंद करने के शांतिपूर्ण उपायों के लिए अपना पूरा समर्थन भी घोषित किया। जाहिर है, प्रधानमंत्री के इस स्पष्ट बयान को किसी और रूप में नहीं लिया जा सकता। इससे भारत के इस या उस तरफ झुके बगैर अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप स्वतंत्र विदेश नीति का अनुसरण करते रहने की प्रतिबद्धता ही रेखांकित हुई है।

भारतीय मत्स्यपालन : समृद्धि की ओर अग्रसर

डॉ. एल. मुरुगन
केंद्रीय मंत्री

न सिर्फ सभ्यता के विकास के चक्र में, बल्कि सभी प्रमुख प्राचीन सभ्यताओं की कहानियों में भी मछली का एक महत्वपूर्ण स्थान रहा है। हमारे पुराणों में भगवान विष्णु के पहले अवतार मत्स्यावतार का उल्लेख है। प्राचीन तमिलनाडु के खूबसूरत संगम साहित्य में मछुआरों के जीवन और घुमावदार नावों (अकानानुरु) का विशद वर्णन है। सिंधु घाटी की खुदाई में मिले प्रमाण हमें प्राचीन भारत में व्यापक स्तर पर मत्स्यपालन के प्रसार की सराहना करने के लिए प्रेरित करते हैं। विस्तृत तटीयरेखाओं और विशाल नदियों वाला भारत मत्स्य संसाधनों के मामले में बेहद समृद्ध है। हमारी संस्कृति में शुरू से ही मछली और मछुआरों का एक केन्द्रीय स्थान रहा है।

आजादी के बाद भारत में मत्स्यपालन क्षेत्र का विकास विभिन्न राज्यों की पहल, प्राथमिकताओं और संसाधनों के अनुरूप अलग-अलग गति व दिशाओं में हुआ। केन्द्र सरकार की कम भागीदारी या उसके द्वारा अपर्याप्त निवेश (विभिन्न रिपोर्टों से यह संकेत मिलता है कि आजादी के बाद से लेकर 2014 तक केन्द्र सरकार की ओर से मत्स्यपालन क्षेत्र के लिए महज 3682 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई थी) के कारण भारतीय मत्स्यपालन बेहद उपेक्षित रहा। बीमा, सुरक्षा किट, ऋण सुविधा, मछली पकड़ने के बाद की प्रक्रिया और विपणन के मामले में बेहद कम सहायता उपलब्ध होने के बावजूद, भारत के साहसी मछुआरे जर्जर नौकाओं पर सवार होकर समुद्र में अपना उद्यम जारी रखते रहे। आजादी के 67 साल बाद भी, करोड़ों भारतीयों के भोजन, पोषण और आजीविका का एक महत्वपूर्ण स्रोत माना जाने वाला यह क्षेत्र खुले समुद्र में बिना पतवार वाली एक नाव की तरह हो गया।

यह क्षेत्र अनगिनत समस्याओं और अनंत बाधाओं से जूझ रहा था। 2014 में, भारत की जनता ने तत्कालीन सरकार के भ्रष्टाचार, नीतिगत निष्क्रियताओं से तंग आकर एक निर्णय लिया और मत्स्यपालन से जुड़े लोगों के दर्द एवं राष्ट्र की नब्ज को समझ सकने वाले नेता श्री नरेन्द्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में केन्द्र में एक निर्णायक सरकार चुनी।

मोदीजी ने जो सबसे पहला और महत्वपूर्ण काम किया, वह यह था कि उन्होंने केन्द्र सरकार का ध्यान फिर से मत्स्यपालन क्षेत्र पर केन्द्रित किया। पिछले आठ वर्षों के दौरान कई अन्य पहलों के अलावा, नीली क्रांति योजना, मत्स्यपालन एवं जलीय कृषि अवसंरचना विकास कोष और प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के रूप में मत्स्यपालन के क्षेत्र में 32,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया गया है।

इन कदमों ने सुधार, प्रदर्शन एवं बदलाव के मंत्र का पालन करते हुए बाधाओं को दूर किया और मत्स्यपालन के क्षेत्र की बेड़ियों को खोल दिया। इससे भारत के मछली उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि सुनिश्चित हुई। मछली का उत्पादन वित्तीय वर्ष 2014-15 में 102 लाख टन से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2021-22 में 161 लाख टन हो गया। मोदी सरकार के पहले पांच वर्षों में मत्स्यपालन क्षेत्र औसतन 10 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ा, जबकि यह वृद्धि दर वित्तीय वर्ष 2009-10 से लेकर 2013-14 तक 5.27 प्रतिशत थी।

अपने चुनावी वादे को पूरा करते हुए, प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मत्स्यपालन क्षेत्र के अधिक केन्द्रित और समग्र विकास के लिए मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी के लिए एक अलग मंत्रालय बनाया। वर्ष 2020 में, प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत के एक भाग के रूप में, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के माध्यम से भारतीय मत्स्यपालन के लिए अब तक के सबसे अधिक 20050 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की। पीएमएमएसवाई भारतीय मत्स्यपालन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाली मुख्य प्रेरक शक्ति साबित हो रही है। वर्ष 2024-25 तक इस योजना में मत्स्य उत्पादों के उत्पादन, उत्पादकता और निर्यात में तेजी से वृद्धि करने की परिकल्पना की गई है। इसमें मछली पकड़ने के बाद की प्रक्रिया में होने वाले नुकसान को काफी कम करने और देश में मछली की खपत बढ़ाने की भी परिकल्पना की गई है।

विभिन्न सुधारों और पहलों की वजह से भारतीय मत्स्यपालन के क्षेत्र में मुख्य बुनियादी ढांचे का विकास और आधुनिकीकरण हुआ है। विशेषकर, मछली पकड़ने के नए बंदरगाहों/लैंडिंग केंद्रों की स्थापना, मछुआरों के मछली पकड़ने के पारंपरिक शिल्प का आधुनिकीकरण व मोटरीकरण, गहरे समुद्र में जाने वाले जहाज, मछली पकड़ने के बाद की सुविधाओं की व्यवस्था, कोल्ड चेन, साफ एवं स्वच्छ मछली बाजार, बर्फ के बक्से वाले दो पहिया वाहन और कई अन्य बातों को बढ़ावा मिला है। मछुआरों को बीमा कवर, वित्तीय सहायता और किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा भी प्रदान की गई है।

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को पूरी तत्परता से लागू किया जा रहा है। डिजिटल इंडिया ने आयात के लिए स्वच्छता परमिट (एसआईपी) प्राप्त करने में लगने वाले समय को 45 दिनों से घटाकर केवल 48 घंटे कर दिया है। स्वीकृत स्रोतों से एसपीएफ श्रिम्प ब्रूडस्टॉक के आयात के लिए एसआईपी की आवश्यकता को समाप्त कर दिया गया है, जिससे झींगा पालन से जुड़े सैकड़ों हैचरी को मदद मिली है। सरकार ने झींगा जलीय कृषि के लिए आवश्यक कई सामग्रियों पर लगने वाले आयात शुल्क को भी घटा दिया है, जिससे उनके निर्यात को बढ़ावा देने में मदद मिली है।

मछुआरे हमारे गौरव हैं। मोदी सरकार सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के आदर्श वाक्य के साथ मछुआरों व महिलाओं के कल्याण एवं सशक्तिकरण के लिए लगातार काम कर रही है। मत्स्यपालन के क्षेत्र का विविधीकरण किया जा रहा है। अब, तमिलनाडु की महिलाएं समुद्री शैवाल की खेती कर रही हैं, जबकि लक्षद्वीप की महिलाएं कृत्रिम मत्स्यपालन को विकसित कर रही हैं।

हमारे असमिया मछुआरे ब्रह्मपुत्र में रिवर रैंचिंग को विकसित कर सकते हैं। उधर, आंध्र प्रदेश के उद्यमी जलीय कृषि में ठोस परिणाम देते हुए प्रति बूंद पर अधिक उत्पादन हासिल करते हैं। कश्मीर घाटी की युवा महिला उद्यमी ठंडे पानी की ट्राउट इकाइयां स्थापित कर रही हैं। हरियाणा की लवणयुक्त भूमि का उपयोग मत्स्यपालन के लिए किया जा रहा है। इस प्रकार, बंजर भूमि को धन देने वाली भूमि में परिवर्तित किया जा रहा है।

नए स्टार्ट-अप मत्स्यपालन के क्षेत्र में प्रतिभा, प्रौद्योगिकी, वित्त और उद्यमशीलता की भावना को आकर्षित कर रहे हैं और इस प्रकार एक मूक सामाजिक क्रांति भी ला रहे हैं। वर्तमान में भारतीय मत्स्यपालन का एक गौरवशाली उप-अध्याय जलीय कृषि के रूप में लिखा जा रहा है, जो भारत को वैश्विक स्तर पर झींगा के उत्पादन एवं निर्यात में अग्रणी बना रहा है। भारत जलीय कृषि का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक, मछली का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक और मछली एवं मछली से तैयार उत्पादों का चौथा सबसे बड़ा निर्यातक बनकर ब्रांड इंडिया को स्थानीय स्तर से वैश्विक स्तर' तक ले जा रहा है।

बाधाओं को दूर करके, प्रौद्योगिकी का समावेश करके, कल्याण की प्रक्रिया को फिर से वास्तविक लाभार्थियों की ओर मोड़कर, उद्यमशीलता की भावना को प्रोत्साहित कर और महिलाओं को सशक्त बनाकर भारतीय मत्स्यपालन क्षेत्र उन बेड़ियों से मुक्त हो गया है जो इसे आजादी के बाद से छह दशकों से अधिक समय तक जकड़े हुए थी। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के साथ मोदी सरकार के आठ साल ने भारतीय मत्स्यपालन की एक मजबूत नींव रखी है। आज, जब हम पीएमएमएसवाई की दूसरी वर्षगांठ मना रहे हैं, भारतीय मत्स्यपालन क्षेत्र ने भविष्य के सुनहरे दिनों की ओर अपने कदम बढ़ा दिए हैं। यहां से, इस क्षेत्र को हमारे मछुआरे भाइयों और बहनों के लिए अधिक आय और खुशी पैदा करते हुए बस आगे ही बढ़ते जाना है।

संघर्षों से ही मिलती जिंदगियों में कामयाबी

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

आत्महत्या कभी भी किसी भी समस्या का हल नहीं हो सकता। जीवन बहुत अनमोल है, दुनिया भर की दौलत लूटा कर भी हम एक पल का जीवन खरीद नहीं सकते है। जिंदगी का मोल उससे पूछो जिनके पास चन्द लम्हो का जीवन बचा हों और वो खूब जीना चाहते है। जिंदगी जिंदादिली का नाम है, और आत्महत्या कायरता और बुजदिली का नाम है। हमारी जिंदगी दूसरों की देन है, इसे खत्म करने का हक़ हमे नहीं है। विश्व के सभी प्रकार के प्राणियों में मनुष्य ही एक ऐसा सामाजिक प्राणी है जो अन्य प्राणियों के मुकाबले शारीरिक और मानसिक तौर मजबूत होकर भी आत्महत्या जैसा गलत कदम उठाता है। समय लगातार परिवर्तनशील है, वो कभी भी एक सा नहीं रह सकता, समय बलवान है, यह हर चीज सीखा देता है, वक्त अच्छा हो या बुरा, बदलेगा जरूर। बहुत बार बुरे वक्त के लिए मनुष्य खुद जिम्मेदार होता है जैसे - गलत काम, नियमों की अवहेलना, असभ्य व्यवहार, संस्कारों से दूरी, अपराध, भावनाओं में बह जाना, बिना सोचे-समझे निर्णय लेना, दुसरो पर निर्भरता या जरुरत से ज्यादा विश्वास, लापरवाही, लत, नशाखोरी, गलत संगत, दिखावा, लालच, सहनशीलता और संतोष की कमी, नकारात्मक विचार या खुद को कमजोर समझना, गुस्सैल स्वभाव व अन्य अनेक बातें हमें तकलीफदेह परिस्थिति में डाल देती है। जिंदगी में एक बात कभी मत भूलना कि गुस्से और ख़ुशी में भावनाओं में बहकर कभी भी कोई निर्णय या वादा ना करें।

दुनिया भर में हर साल 10 सितम्बर विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के रूप में मनाया जाता है, इस दिवस का उद्देश्य दुनिया भर में आत्महत्या की रोकथाम के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। एक वर्ष में साधारणत 703,000 लोग समस्याओं से घबराकर या निराशा में आत्महत्या करते हैं। प्रत्येक आत्महत्या के पीछे, आत्महत्या का प्रयास करने वाले 20 अन्य लोगों के होने की संभावना है। इस वर्ष विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस की थीम, 'कार्रवाई के माध्यम से आशा जगाना', यह है। हम सभी लोग अपने-अपने स्तर पर, एक परिवार के सदस्य, मित्र, सहकर्मी, आस-पडोसी, व्यावसायिक, अधिकारी, सामाजिक राजनीतिक नेता और सरकार के तौर पर आत्महत्या को रोकने के लिए कार्रवाई कर सकते हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट अनुसार 2021 में, देश में 1,64,033 आत्महत्या के मामले देखे गए।

विश्व में खेल, सिनेमा, व्यापार, विज्ञान, शिक्षा ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जहां पर दिव्यांग व्यक्तिगणों ने अपनी कला का लोहा न मनवाया हो। स्टीफन हॉकिंग दिव्यांग होकर भी दुनिया के सबसे प्रसिद्ध विद्धवान वैज्ञानिकों में से एक थे। कमी ढूंढने से मिलती है लेकिन जिनके हौसले बुलंद होते है, उन्हें हर चीज अपने कदमो तले नजर आती है, इंसान को कामयाब होने के लिए सकारात्मक सोच और मजबूत इरादों की जरुरत होती है। संघर्ष जीवन का हिस्सा है, बस किसी का संघर्ष कम या अधिक होता है, इसके बगैर जीवन का मोल हमें समझ नहीं आता। गलत रास्ते पर चलने के लिए डर कर जीना होता है, लेकिन जो सच्चाई के मार्ग पर होता है वो हर दम निडर और भयमुक्त जीवन जीता है। माना कि आजकल हर ओर समस्याओं का अंबार नजर आता है, परन्तु लोग जो गलती करे जरुरी नहीं की हम भी वही गलती दोहराये। काम छोटा हो या बड़ा अगर काम ईमानदारी का है तो लोकलाज का विचार मन में कभी न लाये। इतिहास भरा पड़ा है संघर्षमय गाथाओं से, इतिहास उन्हें ही याद रखता है जो विपरीत परिस्थितियों में भी अडिग रहकर लक्ष प्राप्ति के लिए प्रयासरत रहे।

छत्रपति शिवाजी महाराज, महात्मा गांधी आजादी के लिए जान न्योछावर करने वाले क्रांतिकारी भगत सिंह, स्वतंत्रता सैनिक, समाज की बुराई से लड़नेवाले डॉ. बी. आर. आंबेडकर, नारीशक्ति के लिए शिक्षा की ज्योत जलानेवाली सावित्रीबाई ज्योतिबा फुले, समाज में फैली कुरीतियों से लड़नेवाले समाज सुधारक संत, महात्मा, महापुरुष कभी किसी मुश्किलों से घबरायें नहीं, अपने लक्ष्य पर डटे रहे और सामाजिक परिवर्तन लाकर इतिहास रचा। एक अति सामान्य ग्रामीण व्यक्ति दशरथ मांझी ने अकेले पहाड़ खोदकर लोगों के लिए रास्ता बनाया और दुनिया के सामने मिसाल पेश की। जब एक व्यक्ति अपनी जान लेता है तब वह अपने साथ परिवार, रिश्तेदार, दोस्त, सग्गे-सम्बंधी, आस-पड़ोस, समाज को भी कमजोर कर समस्याएं छोड़ जाता है। आज भी देश के जवान कड़कड़ाती धूप, बारिश, ठंड और बर्फीले मौसम में अपनी जान की परवाह किये बगैर देश की सुरक्षा में सर्वदा तत्पर रहते है, मौत सामने होकर भी अपने फर्ज से पीछे नहीं हटते है। जवान शहीद होकर भी हमारे दिलों में जिंदा रहते है।

समस्या किसे नहीं होती, दुनियाभर में हर साल बाढ़, तूफान, अकाल, भूस्खलन, भूकंप व अन्य नैसर्गिक आपदाएं करोड़ों लोगो की जिंदगी प्रभावित करती है। लाखों लोग सड़क पर जिंदगी गुजारते है, करोडों लोग भूख और आधारभूत सुविधाओ के अभाव में जी रहे है। कोई अनाथ है, तो कोई बीमार है, सबकी अपनी-अपनी समस्याएं है। हमसे भी ज्यादा लोग परेशानियों का सामना कर रहे है। लोगों की दास्तानें सुनेंगे तो आप अपना गम भी भूल जायेंगे, ऐसा लोगों का संघर्ष है। जिंदगी में कभी भी निराशा से घिरकर उम्मीद का दामन ना छोड़े, हमेशा सकारात्मक विचार और अपनी मेहनत, काबिलियत पर भरोसा करें। मन के हारे हार है, मन के जीते जीत, इसलिए एक बात हमेशा ध्यान में रखिए की मन से कभी हारना नहीं है। जितना संभव हो निस्वार्थता से परोपकार की भावना बनाए रखें। बुरी आदतों से दूर रहें, हमेशा सकारात्मक विचारों वाले लोगों के साथ रहें, प्रकृति और पशु-पक्षी से जुड़ाव बनाये रखें क्योंकि यह मानसिक शांति को बनाये रखने में मदद करते है। संस्कारशील व्यवहार और हमेशा बड़ों का सम्मान होना ही चाहिए। स्वास्थ्यकर खाना और शारीरिक खेल खेलें, यह शरीर और मन को स्फूर्ति और तनावमुक्त रखने में सहयोगी है। हमेशा खुश रहें, समस्याओं से डरे नहीं बल्कि उनसे लड़े, चुनौतियों को स्वीकार करें और हमेशा आगे बढ़ते रहें।

सपा में वापसी पर छलका शिवपाल का दर्द, बोले-बहुत खाए धोखे, अब नहीं जाउंगा

प्रयागराज, 09 सितम्बर (एजेन्सी)। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल यादव ने शुक्रवार को प्रयागराज आगमन पर कहा कि सपा में बहुत धोखे खा चुके हैं। अब इस पार्टी में वापसी का कोई सवाल नहीं उठता। पूर्व मंत्री शिवपाल यादव ने झूंसी में प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के कार्यालय का उद्घाटन किया। फाफामऊ से लेकर झूंसी तक कई जगह कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान मीडिया से मुखातिब हुए शिवपाल ने भाजपा से करीबी बढ़ने के सवाल पर कहा कि फिलहाल वो अपने संगठन को मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन समय आने पर यह विचार किया जाएगा कि वो किसके साथ होंगे।

इतना जरूर तय है कि अब जीवन में कभी सपा में नहीं जाएंगे। क्योंकि इस पार्टी में बहुत धोखे मिले हैं। इन दिनों बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समाजवादियों को एक मंच पर लाने का काम कर रहे हैं। इस पर सवाल पर पूर्व मंत्री शिवपाल यादव ने कहा कि अब तक नीतीश ने उनसे संपर्क नहीं किया है। आगे अगर संपर्क करेंगे तो इस पर देखा जाएगा। शिवपाल यादव शनिवार को बाघम्बरी मठ में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के पूर्व अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि की पुण्यतिथि समारोह में शामिल होंगे। इस दौरान पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री लल्लन राय उनके साथ मौजूद रहे।

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 01:00 PM

DEAR HOOGHLY MORNING

FRIDAY WEEKLY LOTTERY

Draw No:93 DrawDate on:09/09/22

1st Prize ₹1 Crore/- 74D 73846

Cons. Prize ₹1000/- 73846 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

05202 10740 23363 38374 44509 49757 59113 80346 91268 96114

3rd Prize ₹450/-

2412 3268 4709 5356 6768 0247 8445 9609 9752 9758

4th Prize ₹250/-

1332 2197 2370 3116 3771 4038 4977 6806 8472 8753

5th Prize ₹120/-

0380 0400 0424 0551 0832 0962 1244 1318 1355 1595
1601 1682 1783 1864 1881 1972 2054 2119 2241 2481
2489 2560 2582 2679 2717 2739 2956 3149 3154 3170
3365 3440 3501 3728 3828 3879 3944 4019 4093 4185
4261 4443 4582 4667 4681 4758 4781 4855 5078 5088
5137 5414 5460 5577 5819 5997 6005 6026 6121 6272
6485 6495 6580 6622 6672 6675 6680 6760 6929 7050
7154 7182 7285 7323 7480 7690 7880 7999 8159 8252
8315 8358 8365 8367 8389 8475 8667 8973 9271 9273
9398 9400 9552 9603 9615 9688 9702 9748 9770 9772

KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 06:00 PM

DEAR EARTH FRIDAY

WEEKLY LOTTERY

Draw No:93 DrawDate on:09/09/22

1st Prize ₹1 Crore/- 88C 64600

Cons. Prize ₹1000/- 64600 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

01664 02435 19981 43704 49592 53113 77571 81802 83165 96508

3rd Prize ₹450/-

0099 1903 3353 3792 6474 6960 7601 8295 8392 8713

4th Prize ₹250/-

1629 3040 3196 4711 5579 6826 7487 8553 8907 9667

5th Prize ₹120/-

0068 0163 0420 0440 0599 0884 0919 0995 1170 1236
1239 1245 1356 1388 1415 1434 1747 1758 2177 2192
2291 2294 2321 2715 2766 2828 2924 3044 3070 3427
3588 3670 3861 3960 3990 4119 4202 4410 4421 4539
4574 4651 4709 4839 4977 5081 5345 5396 5499 5531
5541 5882 5943 5972 6202 6227 6251 6341 6391 6421
6440 6452 6696 6743 6906 7040 7144 7248 7292 7438
7544 7704 7785 7833 7859 8072 8186 8188 8192 8292
8308 8466 8481 8547 8609 8745 8795 8957 9111 9186
9213 9235 9302 9492 9545 9597 9643 9850 9915 9932

KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 08:00 PM

DEAR VULTURE EVENING

FRIDAY WEEKLY LOTTERY

Draw No:193 DrawDate on:09/09/22

1st Prize ₹1 Crore/- 86H 94260

Cons. Prize ₹1000/- 94260 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

04368 05555 16644 23001 25778 43251 47529 69915 71608 78652

3rd Prize ₹450/-

0827 1704 2673 4982 5354 5745 7017 7175 7743 9020

4th Prize ₹250/-

0005 0588 3491 4482 4934 6272 6590 6665 7330 8410

5th Prize ₹120/-

0021 0022 0132 0134 0162 0206 0252 0338 0395 0479
0495 0631 1190 1290 1422 1458 1459 1675 1754 1960
2081 2144 2312 2609 2674 2835 2879 2883 2885 3071
3085 3103 3104 3159 3380 3472 3597 3791 3847 3952
3969 3974 3989 4114 4239 4269 4270 4328 4420 4434
4319 4525 4674 4776 4733 4830 4873 4877 4969 5171
5567 5569 5694 5763 5899 6196 6390 6701 6756 6882
6900 6930 6960 7040 7067 7127 7180 7301 7314 7432
7477 7858 7731 7735 8094 8219 8421 8477 8634 8705
8922 9133 9156 9238 9291 9712 9713 9730 9768 9805

KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

अधिक सिंचाई से होने वाली हानियाँ- सिंचाई समय से करने पर लाभ होता है किंतु जरूरत से अधिक करने पर पौधों के आवश्यक पोषक तत्व भूमि में रिस कर निचली सतह पर चले जाते हैं जो पौधों को उपलब्ध नहीं होते। इसी कारण पौधे पीले पड़ने लगते हैं। ऐसा अधिकतर नहर वाले सिंचाई क्षेत्रों में देखने को मिला है. अधिक सिंचाई करने से मिट्टी में वायु संचार में कमी आ जाती है जिससे पौधे की वृद्धि रुक जाती है।

रबी फसलों को पिलाएं

संतुलित जल

किसानों की यह आमधारणा है कि जितनी अधिक सिंचाई की जायेगी, उतनी ही ज्यादा उपज मिलेगी, किंतु वास्तविकता यह नहीं है. पानी उतना ही लाभदायक है, जितना पौधों की जरूरत है. बाकी जल तो अधिक गहराई तक पौधों की जड़ों की पहुंच से दूर नीचे रिस जाता है और कुछ भाप बनकर उड़ जाता है। रबी की फसलों में सिंचाई का दो तिहाई पानी कच्ची नालियों से रिसकर अन्यथा बहकर नष्ट हो जाता है केवल एक तिहाई भाग पानी ही पौधों को प्राप्त होता है। अतः अगर सिंचाई समयानुसार की जाय तो न केवल सी मिल जल का अच्छा उपयोग होगा, बल्कि ज्यादा क्षेत्रमें भी किसान सिंचाई करके अपने खेत की औसत उपज बढ़ा सकते हैं।

अधिक सिंचाई से होने वाली हानियाँ- सिंचाई समय से करने पर लाभ होता है किंतु जरूरत से अधिक करने पर पौधों के आवश्यक पोषक तत्व भूमि में रिस कर निचली सतह पर चले जाते हैं जो पौधों को उपलब्ध नहीं होते। इसी कारण पौधे पीले पड़ने लगते हैं। ऐसा अधिकतर नहर वाले सिंचाई क्षेत्रों में देखने को मिला है. अधिक सिंचाई करने से मिट्टी में वायु संचार में कमी आ जाती है जिससे पौधे की वृद्धि रुक जाती है।

- पौधे पीले पड़ने लगते हैं।
- पौधे की बढ़वार रुक जाती है
- भूमि में क्षार बढ़ने से ऊसर होने की संभावना है।
- अधिक नमी होने के कारण भूमि में पौधों की जड़ों का क्षेत्र घट जाता है जिससे पौधों को पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्वन हीं मिल पाते हैं।

रबी फसलों में महत्वपूर्ण सिंचाई की अवस्थाएं

- **गेहूं** रबी फसलों में गेहूं को ही सबसे अधिक सिंचाई से फायदा होता है देशी उन्नत जातियाँ या गेहूं की ऊंची किस्मों की जल की आवश्यकता 25 से 30 से.मी. है। इन जातियों में जल उपयोग की दृष्टि से तीन अवस्थाएं होती हैं जो क्रमशः कल्ले निकलने की अवस्था (बुआई के 30 दिन बाद), पुष्पावस्था (बुआई के 50 से 55 दिन बाद) और दूधिया अवस्था बुआई के 95 दिन बाद)इन अवस्थाओं में सिंचाई करने से निश्चित उपज में वृद्धि होती है। प्रत्येक सिंचाई में 8 से.मी. जल देना आवश्यक है।

बौने गेहूं की किस्मों को प्रारंभिक अवस्था से ही पानी की अधिक आवश्यकता होती है- क्राउन रुट (शिखर या शीर्ष जड़ें) और शीर्ष जड़े और 'झखड़ा जड़ें' निकलते समय।

बुआई के 15-16 दिन तक पौधा बीज में सुरक्षित भोजन पर जीवित रहता है और अपनी खुराक लेता रहता है। लेकिन इसके बाद बीज का संचित भोजन समाप्त होने लगता है और तब वह धीरे-धीरे भूमि से खुराक खींचना शुरू कर देता है। ये जड़ें लगभग एक से.मी. की गहराई पर निकलती हैं। जिस समय ये जड़ें निकलती हैं, उस समय भूमि की सतह नम होनी चाहिए. ऐसे में बुआई के 20-21 दिन बाद खेत में हल्की सिंचाई करना अत्यंत आवश्यक होता है। किसानों को यह बात भली-भांति समझना चाहिए कि शिखर जड़ों से पौधों में कल्लों का विकास होता है, जिससे पौधों में बालियां ज्यादा आती हैं और फलस्वरूप उपज अधिक मिलती है। झखड़ा जड़ें पौधों को प्रारंभिक आधार देती हैं।

अतः बुआई के समय हर हालत में खेत में काफी नमी होनी चाहिए. बौनी गेहूं की किस्मों के खेत में पलेवा देकर खेत की तैयारी करने से अच्छा अंकुरण होता है। इन जातियों को 40 से 50 से.मी. जल की कुल आवश्यकता होती है और प्रति सिंचाई 6 से 7 से.मी. जल देना जरूरी है।

अगर दो सिंचाई की सुविधा है तो पहली सिंचाई बुआई के 20-21 दिन बाद प्रारंभिक जड़ें निकलने के समय करें दूसरी सिंचाई फूल आने के समय। यदि तीन सिंचाई करना संभव हो तो पहली सिंचाई बुआई के 20-21 दिन बाद (शिखर जड़ें निकलते समय), दूसरी पौधों में गाँठ बनते समय (बुआई के 60-65 दिन बाद) और तीसरी सिंचाई पौधों में फूल आने के बाद करनी चाहिए। जहां चार सिंचाईयों की सुविधा हो वहाँ पहली सिंचाई बुआई के 21 दिन बाद (शिखर जड़ें निकलते समय), दूसरी बुआई के 40-45 दिन बाद (पौधों में कल्ले निकलने के बाद) तीसरी बुआई के 60-65 दिन बाद (पौधों में गाँठ बनते समय) और चौथी सिंचाई फूल आते समय करें. चौथी और पाँचवी सिंचाई विशेष लाभप्रद सिद्ध नहीं होती है। इनको उसी समय करना चाहिए जब मिट्टी में पानी की संचय शक्ति कम हो। बलुई या बलुई दोमट मिट्टी में इस सिंचाई की जरूरत होती है। पांचवी सिंचाई उस समय करें जब दानों में दूध पड़ जाये। यदि वायुमंडल का तापमान तेजी से बढ़ रहा हो तो छठी सिंचाई हल्की करें। जब दाने में थोड़ी कठोरता नजर आती हो या दूधिया अवस्था बीत गयी हो तो इस सिंचाई को करना बहुत जरूरी नहीं है।

परीक्षणों से यही निष्कर्ष निकला है कि यदि 6 सिंचाईयां की जायें तो बौने गेहूं से अधिकतम उपज मिलती है। लेकिन यदि 6 सिंचाईयाँ संभव न हो तो उपयुक्त समय पर उक्त तीन सिंचाईयां तो अवश्य ही करनी चाहिए। पिछेती गेहूं में पहली 5 सिंचाईयां 15 दिनों के अंतर से करें। फिर बालें निकलने के बाद यह अन्तर 9-10 दिन का रखें। पिछेती गेहूं की दैहिक अवस्था पिछड़ जाती है और बालें निकलना और दानों का विकास तो ऐसे समय पर होता है जब वाष्पीकरण तेजी से होता है और ऐसी दशा में खेत में नमी की कमी का दानों के विकास पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है, फलस्वरूप दाना सिकुड़ जाता है। इसीलिए देर से बोये गए गेहूं में जल्दी सिंचाई कम दिनों के अंतर से जरूरी है।

रबी में लगाएं

राई-सरसों

भूमि की तैयारी :(अ) बारानी क्षेत्र- वर्षा आधारित क्षेत्रों में वर्षा ऋतु से ही जुताई आरंभ करना चाहिए तथा मिट्टी को खरपतवार रहित कर भुरभुरी बनाकर पाटा लगाकर छोड़ देना चाहिए। उपयुक्त तापमान आने पर बुवाई करें।

(ब) **सिंचित क्षेत्र**- जब खरीफ फसल की कटाई हो जाये तब पलेवा देकर खेत की तैयारी करें तथा पाटा लगाकर खेत को समतल कर लें फिर बुवाई करें।

विकसित एवं अनुशंसित किस्में

पूसा बोल्ड- बड़े दाने वाली इस जाति का 1000 दानों का वजन 7 ग्राम है तथा यह 110-140 दिन में पककर तैयार होती है तेल की मात्रा 42 प्रतिशत तथा उपज 18 क्विंटल/हे.है।

रोहिणी- इसकी फलियां टहनियों से चिपकी रहती हैं तथा यह 125-130 दिन में पककर तैयार होती है तेल की मात्रा 43 प्रतिशत तथा 1000 दानों का वजन 5.2 ग्राम है उपज 22-28 क्विं./हे. है।

वरूणा- यह सम्पूर्ण भारत वर्ष के लिये अनुमोदित है यह 135-140 दिन में पककर तैयार होती है। दानों का वजन 6 ग्राम तथा उपज 20-22 क्विं./हे. है तथा तेल की मात्रा 43 प्रतिशत है।

जवाहर सरसों-1 :- यह जाति 125-127 दिन में पककर तैयार होती है इसके 1000 दानों का वजन 5 ग्राम है तथा तेल की मात्रा 42 प्रतिशत तथा उपज 20-21 क्विं./हे. है।यह सफेद किट्ट नामक रोग के प्रतिरोधिता वाली किस्म है।

वसुन्धरा- यह किस्म 130-140 दिनों में पककर तैयार हो जाती है तथा तेल की मात्रा 40 प्रतिशत तथा उपज 20-21 क्विं./हे. है।

जवाहर सरसों-2 :- यह किस्म 135-138 दिन में तैयार होती है, तेल की मात्रा 40 प्रतिशत तथा दानों का वजन 5 ग्राम तथा उपज 15 से 30 क्विं./हे. है।

जवाहर सरसों-3 :- यह 130-132 दिनों में पककर तैयार होती है तथा इसकी फली चटकती नहीं है तेल 40 प्रतिशत तथा उपज 15 से 25 क्विं./हे. है।

जगन्नाथ- यह किस्म 125-130 दिन में पककर तैयार होती है तथा उपज 18 क्विं. प्रति होगा तथा तेल की मात्रा 40 प्रतिशत तक होती है।

जवाहर सरसों-4- यह किस्म असिंचित अवस्था के लिये उपयुक्त है।यह 125-135 दिन में पककर तैयार होती है तेल की मात्रा 43 प्रतिशत तथा दानों का वजन 5-6 ग्राम तक है।

माया- यह किस्म 125-135 दिन में पककर तैयार होती है तथा तेल की मात्रा 40 प्रतिशत एवं उपज 25-29 क्विं./हे. है।

बीजोपचार :- भरपूर पैदावार हेतु फसल को बीमारियों से बचाने हेतु बीजोपचार आवश्यक है, बीजोपचार 6 ग्राम एप्रान एस.डी.35 नामक दवा से प्रति किलो बीज दर से करें या 3 ग्राम कार्बेन्डाजिम 3 ग्राम थीरम नामक दवा द्वारा प्रतिकिलो बीज के हिसाब से करके फसल बोएं।

बुवाई का समय : बुवाई असिंचित क्षेत्रों में 20 सितंबर से 15 अक्टूबर तक, 5-6 किलोग्राम बीज दर के हिसाब से बोएं तथा सिंचित क्षेत्रों में 15 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक 5 किलोग्राम बीज दर/हे. के हिसाब से करें।बुवाई देशी हल या सीड ड्रिल से कतारों में करें।पंक्ति से पंक्ति की दूरी 30 से.मी. एवं बीज से बीज की दूरी 10 से.मी. रखें। गहराई 2-3 से.मी. रखें अधिक गहरा बीज बोने पर अंकुरण पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

खाद एवं उर्वरक की मात्रा : भरपूर पैदावार के लिये हरी खाद, गोबर की खाद या कम्पोस्ट खाद का प्रयोग करना चाहिए. सिंचित क्षेत्र के लिये 100 क्विं. पकी हुई गोबर खाद बुवाई पूर्व खेत में डालकर जुताई कर खेत में मिला लें।बारानी क्षेत्र में देशी खाद या कम्पोस्ट खाद 40-50 क्विं./हे. बुवाई पूर्ण खेत में डालकर अच्छी तरह मिला लें इसके बाद रसायनिक उर्वरकों को खेत में मिलाएं। सिंचित क्षेत्र के लिये 217 किलोग्राम यूरिया, 313 कि.ग्राम, सिंगल सुपर फास्फेट, 40 किलोग्राम, म्यूरेट ऑफ पोटाश एवं 30 किलोग्राम गंधक देने से सरसों की भरपूर पैदावार होती है। जबकि असिंचित क्षेत्र के लिये 40 किलोग्राम यूरिया, 20 किलोग्राम, सिंगल सुपर फास्फेट, 10 किलोग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश एवं 15 किलोग्राम गंधक देने पर अच्छी पैदावार ली जा सकती है।

रोगमुक्त होगी

चना फसल

चना रबी मौसम की प्रमुख दलहनी फसल है। चने में लगने वाली इल्ली व उकठा रोग का प्रकोप इसकी उत्पादकता में प्रमुख बाधा है साथ ही कुछ क्षेत्रों में परम्परागत पुरानी किस्मों का उपयोग भी कम उत्पादकता का कारण है।

उन्नतशील प्रजातियाँ- बीज, फसल उत्पादन का महत्वपूर्ण आदान हैं। अतः बुवाई पूर्व स्वस्थ, सुडौल, रोग रहित प्रजातियों का बीज एकत्र कर रख लेना चाहिए।

बीज दर एवं बीजोपचार :- देशी चने का 75 कि.ग्रा. जबकि बड़े आकार के काबुली चने की 125 कि.ग्रा. मात्रा प्रति हे. के मान से उपयोग करना चाहिए ताकि एक वर्गमीटर क्षेत्र में 25-30 पौधे हों। बुवाई के समय लाइन से लाइन की दूरी 30 से.मी. तथा पौधे से पौधे की दूरी 10 से.मी. होना चाहिए. बोनी से पूर्व बीज को कार्बेन्डाजिम

खेत की तैयारी:- खरीफ मौसम के खाली पड़े खेतों में सितम्बर में या अक्टूबर के प्रारंभ में बार-बार जुताई करें ताकि बारिश की नमी का संरक्षण हो सके। खेत से कचड़ा आदि एकत्र कर नष्ट कर देना चाहिए व पाटा लगाकर बुवाई का कार्य करें। अथवा पलेवा लगाकर बोनी करें।

उर्वरकों का उपयोग- दलहनी फसल होने के कारण चने को 743 कि.ग्रा. यूरिया व 373 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट की आवश्यकता सिंचित अवस्था में होती है एवं असिंचित अवस्था में 20 कि.ग्रा. यूरिया व 187 कि.ग्रा.फास्फेट, अंतिम जुताई से पूर्व एक कि.ग्रा. पी.एस.बी. कल्चर को 50 कि.ग्रा. गोबर की खाद में मिलाकर खेत में भुरकाव करने से अच्छे परिणाम मिलते हैं।

अथवा कार्बोक्सिन की 2 ग्राम मात्रा द्वारा प्रति कि.ग्रा. की दर से उपचारित करें. तत्पश्चात् राइजोबियम व पी.एस.बी. कल्चर से बीज का निवेशन करें इस हेतु 250 ग्राम गुड़ के घोल में कल्चर मिलाकर फिर बीज को उपचारित करें।

अन्य शस्य क्रियाएं:- बुवाई के 25-30 दिन बाद निंदाई कर घास निकालें. ताकि नमी का ह्रास न हो। इसी समय चने की खुटाई करना चाहिए ताकि अधिक से अधिक शाखायें निकल सकें।

बुवाई से पूर्व खेत में भलीभांति तय कर लें कि पर्याप्त नमी है तभी बुवाई करें। चने की फसल में 45-60 दिन के भीतर सिंचाई करें। ध्यान रहे कि फूल आते समय सिंचाई न करें। हल्की भूमि में नमी की कमी होने पर फली लगते समय भी सिंचाई की जानी चाहिए।

कटाई, गहाई व उपजः- परिपक्व अवस्था में आने पर फलियाँ सूखकर पीली पड़ती हैं एवं पत्तियाँ झड़ने लगती हैं। इस समय कटाई करना चाहिए। फसल की कटाई कर 2-3 दिन तक खेत में पड़ा रहने दें तत्पश्चात् गहाई करें। इस प्रकार 15-20 क्विं. किस्मों के अनुसार उत्पादन मिलता है। दानों को भलीभांति सुखाकर 8-10 प्रतिशत नमी पर भंडारित करना चाहिए।

कांग्रेस छोड़ने वाले नेताओं पर राहुल गांधी का तंज, बोले- बीजेपी के सामने हाथ जोड़ना आसान

नई दिल्ली, 09 सितम्बर (एजेन्सी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कई नेताओं के पार्टी छोड़ने की पृष्ठभूमि में शुक्रवार को कटाक्ष करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी से दोस्ती गांठ लेना और उसके सामने हाथ जोड़ लेना आसान है, लेकिन उनके ऐसे संस्कार नहीं है। कांग्रेस के कई नेताओं के पार्टी छोड़ने से जुड़े सवाल पर कहा, भाजपा के पास इन (पार्टी छोड़ने वाले नेताओं) पर दबाव डालने के बेहतर साधन हैं...भाजपा ने सभी संस्थाओं पर कब्जा कर लिया है और इन संस्थाओं के जरिये दबाव डाल रही है। आप जानते हैं कि सीबीआई, ईडी और आयकर विभाग की क्या भूमिका है।''

कांग्रेस नेता का कहना था, हम किसी राजनीतिक दल से नहीं लड़ रहे हैं। अब लड़ाई समूची राज्य व्यवथा और विपक्ष के बीच है।'' उन्होंने पार्टी छोड़ने वाले नेताओं पर कटाक्ष करते हुए कहा, इसी दबाव के चलते कई लोग महसूस करते हैं कि कहां फंसना है। भाजपा के साथ दोस्ती गांठना और उसके सामने हाथ जोड़ना आसान है, इससे आपका जीवन आसान हो जाएगा। मुझे ऐसे संस्कार नहीं मिले हैं। यह मेरा स्वभाव नहीं है।'' राहुल गांधी ने यह बयान ऐसे समय दिया है जब हाल ही में गुलाम नबी आजाद और जयवीर शेरगिल ने कांग्रेस से इस्तीफा दिया था और पार्टी नेतृत्व पर सवाल खड़े किए थे।

कांग्रेस भाई-बहन और मां की पार्टी : नड्डा

रायपुर, 09 सितम्बर (एजेन्सी)। बीजेपी के प्रमुख जेपी नड्डा ने छत्तीसगढ़ में कांग्रेस और गांधी परिवार पर जमकर हमला बोला है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रमुख जेपी नड्डा ने राजधानी रायपुर पहुंच मोदी सरकार के खिलाफ कांग्रेस की चल रही भारत जोड़ो यात्रा को पूरी तरह से असफल बताते हुए कहा कि ये एक भाई-बहन और मां की पार्टी है।

उन्होंने कांग्रेस के भारत जोड़ो यात्रा अभियान को एक फ्लॉप शो बताते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी इस यात्रा के जरिए राहुल गांधी की ब्रांडिंग करने का प्रयास कर रही है। छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल पर निशाना साधते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि किसी प्रदेश का ऐसा भी कोई सीएम हो सकता है, जो प्रदेश की जनता की सुध न लेकर इन दिनों भारत जोड़ो रैली में व्यस्त हो।

सीएम भूपेश बघेल चाहे जितना भी प्रयास कर लें, छत्तीसगढ़ की जनता उन्हें बाहर का रास्ता दिखाकर रहेगी और साथ ही जेपी नड्डा ने यह भी कहा कि 2024 के चुनाव में जितना भी गठबंधन कर ले फिर भी उस हार मिलनी तय हैं। क्योंकि हमारी लड़ाई पारिवारिक राजनीति के खिलाफ है। नड्डा ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस देश की पारंपरिक राजनीति को बदल दिया है।

सीएम भूपेश बघेल जैसे लोग विकास के खिलाफ हैं, वो केवल कांग्रेस का खजाना भरना चाहते हैं। यहां हमारे आदिवासी भाई मारे गए हैं और सीएम भूपेश बघेल केरल में राहुल गांधी के साथ यात्रा कर रहे हैं।' भाजपा प्रमुख नड्डा ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राहुल गांधी के लिए केरल जाकर राज्य में हो रही आदिवासियों की हत्याओं से आंखें मूंद ली हैं। लेकिन वो याद रखें कि प्रदेश की जनता उनसे इस धोखे का बदला लेगी और अगले चुनाव में उनकी सरकार हाथों से निकलनी तय है।

राहुल ने अध्यक्ष पद को लेकर तोड़ी चुप्पी, कहा- मैं कांग्रेस अध्यक्ष बनूंगा या नहीं, अभी इंतजार करिए

नई दिल्ली, 09 सितम्बर (एजेन्सी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को पार्टी की अगुवाई करने के बारे में कहा कि जब चुनाव होंगे तो यह साफ हो जाएगा कि मैं कांग्रेस अध्यक्ष बनूंगा या नहीं, इसलिए कृपया तब तक इंतजार करिए।'' उन्होंने यहां भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान पत्रकारों से कहा कि पदयात्रा यह समझने की कोशिश है कि जमीनी स्तर पर क्या हो रहा है और साथ ही यह, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा किए गए नुकसान की भरपाई की कोशिश है।

राहुल गांधी ने कांग्रेस को बचाने के लिए यह यात्रा किए जाने के आरोपों पर कहा, भाजपा-आरएसएस अपनी राय रखने के लिए स्वतंत्र हैं लेकिन हम, लोगों से जुड़ने के लिए यह यात्रा' कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी संस्थान अब भाजपा के नियंत्रण में हैं और उनका विपक्ष पर दबाव बनाने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा' से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए कोई संदेश देने के सवाल पर कहा, मेरे पास कोई संदेश नहीं है।''

यहां 'विवेकानंद पॉलिटेक्निक' से 118 अन्य 'भारत यात्रियों'' और कई अन्य वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ पदयात्रा की शुरुआत के बाद आगे बढ़ रहे राहुल ने कांग्रेस अध्यक्ष बनने के अनुरोध संबंधी सवाल पर कहा, मैंने निर्णय ले लिया है, मैं बहुत स्पष्ट हूं, जब पार्टी के चुनाव होंगे तब जवाब दूंगा। अगर मैं कांग्रेस के अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं लड़ता हूं तो आप मुझसे सवाल पूछ सकते हैं और तब मैं जवाब दूंगा कि मैंने चुनाव क्यों नहीं लड़ा।'' कांग्रेस ने राहुल गांधी समेत 119 नेताओं को 'भारत यात्री' नाम दिया है जो कन्याकुमारी से पदयात्रा करते हुए कश्मीर तक जाएंगे। ये लोग कुल 3,570 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे।

याकूब की 'कब्र सजावट' मामले ने पकड़ा तूल, सीएम एकनाथ शिंदे बोले- आतंकवादी का महिमामंडन करना गलत

मुंबई, 09 सितम्बर (एजेन्सी)। आतंकी याकूब की कब्र सजावट के मामले ने तूल पकड़ लिया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि ऐसे मामले बर्दाश्त नहीं करेंगे। हम ऐसा नहीं होने देंगे। गृह मंत्रालय पूरे मामले पर कार्रवाई करेगा। मुंबई पुलिस और बीएसी की जानकारी दे दी गई है। उन्होंने कहा कि आतंकी को महिमामंडित नहीं कर सकते हैं। इससे पहले डिप्टी सीएम और गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मामले पर कार्रवाई की जाएगी। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। मेमन को 2015 में नागपुर जेल में फांसी दी गई थी और दक्षिण मुंबई के बड़ा कब्रिस्तान में दफनाया गया था।

उधर, याकूब मेनन की क़ब्र को सजाने में अंडरवर्ल्ड का कनेक्शन निकलकर सामने आ रहा है। ट्रस्ट से जुड़े शख़्स का बड़ा दावा किया है। शख्स ने कहा कि अंडरवर्ल्ड से मिली थी धमकी। धमकी के बाद मेमन की क़ब्र को सजाया। भाजपा ने दावा किया कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के कार्यकाल के दौरान मेमन की कब्र का सौंदर्यीकरण' किया गया था और पार्टी ने इस पर उनसे माफी की मांग की। हालांकि, शिवसेना नेताओं ने कहा कि पार्टी और पिछली महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार का इससे कोई लेना-देना नहीं है और इसे अनावश्यक रूप से इस मुद्दे में घसीटा जा रहा है। इन खबरों के बाद बृहस्पतिवार को हरकत में आई मुंबई पुलिस ने आतंकवादी की कब्र के चारों ओर लगाई गई एलईडी लाइट' को हटाया।

वहीं, ठाकरे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट ने कहा कि पूरा मुद्दा बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी जैसे अधिक महत्वपूर्ण मुद्दों से लोगों का ध्यान हटाने का एक प्रयास है। मुंबई दक्षिण लोकसभा क्षेत्र से शिवसेना सांसद अरविंद सावंत ने संवाददाताओं से कहा कि बड़ा कब्रिस्तान जहां मेमन की कब्र है, एक निजी संपत्ति है और राज्य सरकार का इससे कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया, शिवसेना को इस मुद्दे में क्यों घसीटा जा रहा है? यह कुछ और नहीं, बल्कि देश के समक्ष गंभीर मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश है।

शाह 17 सितम्बर को हैदराबाद में तेलंगाना मुक्ति दिवस पर फहराएंगे राष्ट्रीय ध्वज

हैदराबाद, 09 सितम्बर (एजेन्सी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 17 सितम्बर को तेलंगाना मुक्ति दिवस के अवसर पर सिकंदराबाद के परेड ग्राउंड में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। इस संबंध में शनिवार को यहां सिख गांव में तैयारी बैठक होगी।

प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष एवं सांसद बंदी संजय कुमार, केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी. किशन रेड्डी, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल, पार्टी के पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद डी. के. लक्ष्मण और पार्टी के मध्य प्रदेश के प्रभारी पी. मुरलीधर राव इस बैठक में शामिल होंगे। मुक्ति दिवस समारोह में महाराष्ट्र और कर्नाटक के मुख्यमंत्री भी शामिल हो सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र और कर्नाटक का हिस्सा तत्कालीन हैदराबाद राज्य का हिस्सा था। तेलंगाना सरकार ने हालांकि पहले 17 सितम्बर कोराष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में मनाने का फैसला किया था। इसी दिन 1948 में तत्कालीन हैदराबाद राज्य को भारतीय संघ में शामिल किया गया था। सरकार ने इस अवसर के हीरक जयंती वर्ष की शुरुआत के साथ साल भर चलने वाले समारोहों का आयोजन करने का भी निर्णय लिया है।

'तेलंगाना राष्ट्रीय एकता हीरक जयंती' समारोह के नाम से कार्यक्रम राज्य भर में 16, 17 और 18 सितम्बर को आयोजित किये जाएंगे और अगले साल उसी तारीख को समाप्त होगा। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव 17 सितम्बर को राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और राज्य के लोगों को संबोधित करेंगे। वहीं मंत्री जिलों में और नगर पालिकाओं, ग्राम पंचायतों और सरकारी कार्यालयों में अधिकारी झंडा फहराएंगे।

वहीं, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) ने 11 से 17 सितम्बर तक सप्ताह भर चलने वालेतेलंगाना सशस्त्र संघर्ष 'का जश्न मनाने का फैसला किया, जिसमें पार्टी की भूमिका पर प्रकाश डाला जाएगा, जिसने निरंकुश निजाम के शासन के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व किया और अंतत: हैदराबाद राज्य का विलय भारतीय संघ मेंहुआ।

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के राज्य सचिव चाडा वेंकट रेड्डी ने कहा कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस), जो तेलंगाना सशस्त्र संघर्ष के दौरान भी पैदा नहीं हुए थे, 17 सितम्बर को तेलंगाना मुक्ति दिवस के रूप में मनाकर राजनीतिक लाभ प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं।

तेलंगाना कांग्रेस ने 17 सितम्बर को स्वतंत्रता दिवस मनाने का फैसला किया है। इस दिन हैदराबाद राज्य को भारतीय संघ में शामिल किया गया था।

महाराष्ट्र में दो समूहों पर आयकर के छापे में 100 करोड़ के फर्जीवाड़े का खुलासा

नई दिल्ली, 09 सितम्बर (एजेन्सी)। आयकर विभाग ने महाराष्ट्र में बालू खनन, चीनी बनाने की फैक्ट्री, सड़क निर्माण, स्वास्थ्य सेवा, मेडिकल कॉलेज चलाने वाले दो समूहों पर तलाशी और जब्ती की कार्रवाई के दौरान 100 करोड़ रुपये के फर्जीवाड़े का खुलासा किया है। आयकर विभाग ने 25 अगस्त को छापा मारा था।

विभाग ने शुक्रवार को ये जानकारी दी। तलाशी अभियान महाराष्ट्र के सोलापुर, उस्मानाबाद, नासिक और कोल्हापुर जिलों में फैले 20 से अधिक परिसरों में चलाया गया। तलाशी के दौरान, हार्ड कॉपी दस्तावेजों और डिजिटल डेटा के रूप में कई बड़े सबूत मिले जिन्हें जब्त कर लिया गया।

एक अधिकारी ने कहा, इन सबूतों से समूह के कर चोरी के विभिन्न तौर-तरीकों का पता चलता है, जिसमें फर्जी खचरें की बुकिंग, अघोषित नकद बिक्री, अस्पष्टीकृत ऋण, क्रेडिट प्रविष्टियां शामिल हैं।

बालू खनन और चीनी की फैक्ट्री चलाने में लगे समूह के मामले में 15 करोड़ रुपये से अधिक की चीनी की बेहिसाब नकद बिक्री के सबूत मिले और जब्त किए गए।

कार्रवाई से पता चला कि समूह ने अपनी बहीखातों में फर्जी असुरक्षित ऋण के रूप में जो आय पेश की है उसका कोई हिसाब किताब नहीं है। समूह के कई ऋणदाताओं, साथ ही समूह के प्रवर्तकों ने स्वीकार किया कि बिना हिसाब के 10 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी खाते में भेजी गई। एक कॉरपोरेट इकाई द्वारा संपत्ति की बिक्री पर लगभग 43 करोड़ रुपये के पूंजीगत लाभ के साक्ष्य भी जब्त किए गए।

स्वास्थ्य सेवा और मेडिकल कॉलेज चलाने के व्यवसाय में लगे दूसरे समूह में भी बिना हिसाब नकदी प्राप्ति के सबूत मिले हैं। इसके अलावा, फर्जी खचरें की बुकिंग और संविदात्मक भुगतान आदि के संबंध में सबूत पाए गए हैं और जब्त किए गए हैं।

समूह की इस तरह की अघोषित आय का प्रारंभिक अनुमान 35 करोड़ रुपये है। अब तक, तलाशी कार्रवाई में 100 करोड़ रुपये से अधिक की बेहिसाब आय का पता चला है। इसके अलावा, 5 करोड़ रुपये से अधिक की अघोषित संपत्ति का पता चला है जिसे जब्त कर लिया गया है, अधिकारी ने कहा। मामले में आगे की जांच जारी है।

निर्माणाधीन इमारत में लगी क्रेन की रस्सी टूटी, एक मजदूर की मौत, मलबे में पांच दबे

नोएडा, 09 सितम्बर (एजेन्सी)। गौतमबुद्ध नगर के सेक्टर-132 में एक निर्माणाधीन इमारत में निर्माण सामग्री ऊपर ले जाने के लिए लगाई गई क्रेन की रस्सी टूट गई, जिससे क्रेन नीचे आ गिरी। इस घटना में पांच मजदूर दब गए, जिनमें से एक मजदूर की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां दो लोगों की हालत अत्यंत नाजुक बनी हुई है।

अपर पुलिस उपायुक्त आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि थाना सेक्टर-126 क्षेत्र के सेक्टर-132 में एक निर्माणाधीन इमारत में नीचे से निर्माण सामग्री ऊपर ले जाने के लिए लगाई गई क्रेन की रस्सी शुक्रवार दोपहर को टूट गई, जिससे क्रेन नीचे आ गिरी।

उन्होंने बताया कि घटना में नीचे खड़े पांच मजदूर दब गए। द्विवेदी ने कहा कि घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां संतोष यादव (22) की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। इससे पहले दिल्ली में शुक्रवार को एक निर्माणाधीन चार मंजिला गिर गई। इसमें चार मजदूर घायल हो गए जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

भ से भाजपा, भ से भ्रष्टाचार : अखिलेश बोले- करप्शन से लड़ेगी तो सरकार बनाने-गिराने का पैसा कहां से लाएगी

लखनऊ, 09 सितम्बर (एजेन्सी)। विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव लगातार भाजपा पर हमलावर हैं। कभी ट्विटर पर तो कभी कार्यक्रम के दौरान भाजपा नेताओं पर तंज कसते नजर आ जाते हैं। एक दिन पहले ही अखिलेश यादव ने डिप्टी सीएम केशव को 100 विधायक लाकर उनको सीएम बनाने का ऑफर दिया था। इस पर भाजपा ने भी जमकर पलटवार किया।

शुक्रवार को एक बार फिर अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए ट्वीट किया। अखिलेश यादव ने लिखा, भाजपा कह रही है कि वो भ्रष्टाचार के ख़िलाफ़ अभियान छेड़ेगीतब तो उनका घर ही खाली हो जाएगाफिर सरकारों को गिराने-बनाने का पैसा भाजपा के पास कहाँ से आयेगाकठपुतलियों को सोने के तार से कैसे खींचा जाएगाआख़िर में ये अभियान भी जुमला बनकर रह जाएगा।

भ से भाजपा, भ से भ्रष्टाचार।

सुभासपा के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर को झटका देकर अपनी पार्टी बनाने वाले शशि प्रताप सिंह ने शुक्रवार को एक बार फिर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की। सुभासपा से अलग होने के बाद अखिलेश से यह उनकी तीसरी मुलाकात थी। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल के कई क्षेत्रीय राजनीतिक दल भारतीय लोकतांत्रिक गठबंधन के तहत एकजुट हो रहे हैं। जल्द ही वाराणसी में एक विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आने वाले सभी चुनाव, गठबंधन सपा के साथ मिलकर ही लड़ेगा। शशि प्रताप सिंह ने पिछले दिनों राष्ट्रीय समता पार्टी के नाम से अपनी नई पार्टी बना ली थी। बतौर राष्ट्रीय संयोजक शशिप्रताप लगातार पार्टी को मजबूत करने में लगे हैं।

2025 तक भारत से टीबी उन्मूलन के लिए सामूहिक प्रयासों की जरूरत : राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली, 09 सितम्बर (एजेन्सी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान' की डिजिटल तरीके से शुरुआत करते हुए लोगों से 2025 तक देश से टीबी के उन्मूलन के लिए सामूहिक रूप से युद्ध स्तर पर काम करने का आग्रह किया। राष्ट्रपति ने नि-क्षय 2.0' पोर्टल के माध्यम से टीबी रोगियों को सामुदायिक सहायता प्रदान करने की सरकार की पहल की सराहना की, जिसके तहत टीबी रोगियों को किसी व्यक्ति, निर्वाचित प्रतिनिधियों या संस्थानों द्वारा देखभाल के लिए अपनाया जा सकता है। उन्होंने सभी से अभियान को जन आंदोलन बनाने का आग्रह किया। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा, जब लोगों के हित में कोई कल्याणकारी योजना बनाई जाती है, तो उसके सफल होने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।''

मुर्मू ने कहा कि सभी संक्रामक रोगों में सबसे ज्यादा मौतें टीबी से होती हैं। राष्ट्रपति ने कहा, भारत में दुनिया की आबादी का 20 प्रतिशत से कुछ कम है, लेकिन दुनिया के कुल टीबी रोगियों का यहां 25 प्रतिशत से अधिक है। यह चिंता का विषय है।''

साथ ही उन्होंने कहा कि टीबी से प्रभावित ज्यादातर लोग समाज के गरीब तबके से आते हैं। राष्ट्रपति ने टीबी उपचार पर अतिरिक्त डायग्नोस्टिक, पोषण और व्यावसायिक सहायता सुनिश्चित करने के लिए नि-क्षय मित्र' पहल भी शुरू की, और निर्वाचित प्रतिनिधियों, कारोबारी घरानों, गैर सरकारी संगठनों और लोगों को रोगियों की मदद करने के लिए दाताओं के रूप में आगे आने को लेकर प्रोत्साहित किया।

नि-क्षय 2.0' पोर्टल टीबी रोगियों के उपचार परिणामों में सुधार के लिए अतिरिक्त रोगी सहायता प्रदान करने, 2025 तक टीबी उन्मूलन की भारत की प्रतिबद्धता को पूरा करने और कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के अवसरों का लाभ उठाने में सामुदायिक भागीदारी को बढ़ाने में सुविधा प्रदान करेगा। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत ने कोविड-19 महामारी से निपटने में विश्व के सामने एक उदाहरण स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि विश्वास के साथ आगे बढ़ने की नए भारत' की नीति टीबी उन्मूलन के क्षेत्र में भी दिखाई दे रही है।

संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के अनुसार, सभी राष्ट्रों ने वर्ष 2030 तक टीबी उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया है। लेकिन भारत सरकार ने वर्ष 2025 तक टीबी उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया है और इस संकल्प को पूरा करने के लिए हर स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि इस अभियान को जन आंदोलन बनाने के लिए लोगों में टीबी के प्रति जागरूकता पैदा करनी होगी। उन्होंने कहा कि इसका उपचार प्रभावी और सुलभ है और सरकार इस बीमारी की रोकथाम और उपचार के लिए मुफ्त सेवा मुहैया कराती है। उन्होंने कहा कि सभी को इस बात की जानकारी होनी चाहिए कि टीबी के रोगाणु अक्सर सबके शरीर में मौजूद होते हैं।

मुर्मू ने कहा कि जब किसी व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता किसी कारणवश कम हो जाती है तो यह रोग व्यक्ति में प्रकट हो जाता है। उन्होंने कहा कि उपचार से निश्चित तौर पर इस बीमारी से छुटकारा पाया जा सकता है। ये सारी बातें लोगों तक पहुंचनी चाहिए। तब जाकर टीबी से प्रभावित लोग उपचार की सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान' की परिकल्पना सभी सामुदायिक हितधारकों को एक साथ लाने के लिए की गई है ताकि टीबी के उपचार में लोगों का समर्थन किया जा सके और टीबी उन्मूलन की दिशा में देश की प्रगति में तेजी लाई जा सके।

भारत ने धमाकेदार जीत और कोहली के शतक के साथ एशिया कप से विदा ली

दुबई (एजेंसी)।

विराट कोहली के बल्ले से लगभग तीन साल बाद शतक निकला और उनके 122 रन की मदद से भारत ने एशिया कप में अफगानिस्तान के खिलाफ औपचारिकता के मुकाबले में 101 रन से जीत दर्ज की। कोहली ने 61 गेंद में 12 चौकों और छह छक्कों की मदद से 122 रन की नाबाद पारी खेली जिसके दम पर भारत ने दो विकेट पर 212 रन बनाये। पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में करीबी हार से मायूस अफगानिस्तान टीम के बल्लेबाज भुवनेश्वर कुमार की स्विंग गेंदबाजी का सामना नहीं कर सके। भुवनेश्वर ने चार ओवर में सिर्फ चार रन देकर पांच विकेट लिये।

अफगानिस्तान का स्कोर एक समय 21 रन पर छह विकेट था और 20 ओवर में उसने आठ विकेट पर 111 रन बनाये। इससे पहले कोहली ने नवंबर 2019 के बाद पहला और कैरियर का 71वां शतक लाया। इसके साथ ही उन्होंने अंतरराष्ट्रीय शतकों के मामले में रिकी पोंटिंग की बराबरी कर ली और अब वह सचिन तेंदुलकर से पीछे हैं। नियमित कप्तान रोहित शर्मा को आराम दिया गया और उनकी जगह कप्तानी कर रहे केएल राहुल ने 41 गेंद में 62 रन बनाये। उन्होंने कोहली के साथ पहले विकेट के लिये 76 गेंद में 119 रन जोड़े।

कोहली ने मनचाही दिशा में शॉट्स खेले और चिर परिचित फॉर्म में लौटने के संकेत दिये। दूसरे छोर पर राहुल ने भी आत्मविश्वास से भरी पारी खेली। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने स्पिनरों खासकर राशिद खान को संभलकर खेला। कोहली ने अपनी पारी में बेहतरीन स्वीप शॉट भी लगाये खासकर मुजीबुर रहमान को लगाया स्ट्रोक दर्शनीय था। उन्हें आठवें ओवर में दीप में मोहम्मद नबी ने जीवनदान भी दिया। भारत ने दस ओवर में बिना किसी नुकसान के 87 रन बनाये। कोहली ने तेज गेंदबाज फरीद अहमद की गेंद पर पूल शॉट खेलकर शतक पूरा किया।

उन्होंने शतक लगाने के बाद हेलमेट उतारा और अपनी अंगूठी को चूमा। उन्होंने फजलहक फारूकी को दो छक्के और एक चौका लगाकर भारत को 200 के पार पहुंचाया। एशिया कप से सुपर फोर चरण से बाहर हुई भारतीय टीम के लिये अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप से पहले कोहली का फॉर्म में लौटना अच्छा संकेत है। उससे पहले भारत को आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका से श्रृंखलायें भी खेलनी है।

महारानी के निधन के बाद ब्रिटेन में कई खेल आयोजन रद्द

लंदन (एजेंसी)।

महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के 96 वर्ष की उम्र में निधन के बाद ब्रिटेन में कई खेल आयोजन रद्द कर दिए गए। महारानी के निधन का समाचार मिलने के तुरंत बाद ही बीएमडब्ल्यू पीजीए चैंपियनशिप में दिन का खेल रोक दिया गया। शुक्रवार को भी यह गोल्फ कोर्स बंद रहेगा।

इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच ओवल में चल रहे तीसरे टेस्ट मैच में शुक्रवार को खेल नहीं होगा। इसके अलावा ब्रिटेन में होने वाली घुड़दौड़ और रग्बी मैचों को भी रद्द कर दिया गया है। ब्रिटेन में साइकलिंग टूर के आयोजकों ने कहा कि शुक्रवार को होने वाली रेस रद्द कर दी गई है। प्रीमियर लीग से नीचे की तीन डिवीजन को संचालित करने वाली इंग्लिश फुटबॉल लीग ने कहा कि शुक्रवार की शाम को होने वाले मैचों को रद्द कर दिया गया है।

हॉकी कोच ग्राहम रीड बोले- विश्व कप में यह टीम देगी कड़ी टक्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय हॉकी टीम के मुख्य कोच ग्राहम रीड ने कहा कि एफआईएच विश्व कप में भारत के पूल में स्पेन की मौजूदगी से लीग चरण ही चुनौतीपूर्ण बन गया है। विश्व में पांचवें नंबर की भारतीय टीम को अगले साल 13 से 29 जनवरी के बीच भुवनेश्वर और राउरकेला में होने वाले विश्वकप में इंग्लैंड (विश्व में नंबर छह), स्पेन (विश्व में नंबर आठ) और वेल्स के साथ पूल डी में रखा गया है। भारत ने इस साल राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने के अपने अभियान के दौरान इंग्लैंड को 4-4 से ड्रॉ पर रोका था जबकि वेल्स को 4-1 से हराया था।

हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति के अनुसार रीड ने कहा- एफआईएच हॉकी विश्व कप और ओलंपिक के पूल चरण के मैच हमेशा मुश्किल होते हैं। वहां प्रत्येक टीम जीत के लिए आती है। हमने हाल में बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में इंग्लैंड और वेल्स का सामना किया था और यह मैच काफी कड़े रहे थे। उन्होंने कहा- इसके अलावा पिछले 12 महीनों में लगातार सुधार कर रहे स्पेन की मौजूदगी से पहले दौर के मैच काफी कड़े हो जाएंगे।

रीड ने कहा- इंग्लैंड विश्व स्तरीय टीम है और अभी वह बहुत अच्छी हॉकी खेल रही है। लेकिन हम भी अच्छा खेल दिखा रहे हैं तथा विश्वकप में खेल के उस क्षण में बने रहना और खेल के प्रत्येक पहलू पर ध्यान देना महत्वपूर्ण होगा। विश्व कप से पहले भारत 30 अक्टूबर से छह नवंबर के बीच कलिंग स्टेडियम में स्पेन के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग के मैच खेलेगा। भारत भुवनेश्वर में 2018 में खेले गए पिछले विश्वकप में क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाया था लेकिन रीड को इस बार इस रिकॉर्ड में सुधार की उम्मीद है।

रीड ने कहा- यह टीम चार साल पहले खेलने वाली टीम से पूरी तरह भिन्न है तथा इसको अलग तरह का अनुभव हासिल है। हम विश्वकप को अपने दर्शकों के सामने खेलने के लिए तैयार हैं। विश्व कप में पूल ए में ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, फ्रांस और दक्षिण अफ्रीका को जबकि पूल बी में मौजूदा विश्व चैंपियन बेल्जियम, जर्मनी, दक्षिण कोरिया और जापान को रखा गया है। नीदरलैंड, चिली, मलेशिया और न्यूजीलैंड पूल सी में हैं।

न्यूजीलैंड को 133 रन से हराकर ऑस्ट्रेलिया ने एकदिवसीय श्रृंखला अपने नाम की

दुबई (एजेंसी)।

मिशेल स्टार्क के हरफनमौला खेल और एडम जम्पा के फिरकी के कमाल के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे एकदिवसीय मैच में गुरुवार को न्यूजीलैंड को 113 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 195 रन बनाने के बाद न्यूजीलैंड की पारी को 33 ओवर में महज 82 रन पर समेट दिया। जम्पा ने नौ ओवर में 35 रन देकर पांच विकेट लिये जबकि मिशेल स्टार्क और सीन एबोट ने दो-दो विकेट चटकाये।

मैन ऑफ द मैच स्टार्क ने इससे पहले 38 रन की नाबाद पारी खेलकर टीम के स्कोर को 200 रन के करीब पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने इस दौरान नौवें विकेट के लिए जम्पा (16) के साथ 31 रन जोड़ने के बाद जोश हेजलवुड (नाबाद 23) के साथ आखिरी विकेट के लिए 47 रन की अटूट साझेदारी की। लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड के सिर्फ चार बल्लेबाज दहाई के आंकड़े में रन बना सके। कप्तान केन विलियमसन 17 रन के साथ टीम के सर्वोच्च स्कोरर रहे।

इससे पहले ट्रेंट बोल्ट (38 रन पर चार विकेट) और मैट हेनरी (33 रन पर तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी से न्यूजीलैंड ने ऑस्ट्रेलिया की पारी को नौ विकेट पर 195 रन पर रोक दिया। न्यूजीलैंड ने 19वें ओवर में 54 रन तक ऑस्ट्रेलिया की आधी टीम को पवेलियन भेज दिया था लेकिन पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ ने 61 रन बनाकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। उन्होंने ग्लेन मैक्सवेल (25) के साथ छठे विकेट की साझेदारी के लिए 49 रन जोड़े। स्मिथ ने 94 गेंद की पारी में पांच चौके और एक छक्का जड़ा। एकदिवसीय क्रिकेट में यह उनका तीसरा सबसे धीमा अर्धशतक रहा।

हेनरी ने अपने शुरुआती दो ओवरों में कप्तान आरोन फिंच (शून्य) और डेविड वार्नर (पांच रन) का विकेट चटकाकर टीम को शानदार शुरुआत दिलायी। फिंच पिछली सात पारियों में तीसरी बार खाता खोले बगैर आउट हुए। बोल्ट ने इसके बाद मार्नस लाबुशेन (पांच) और मार्कस स्टोइनिस (शून्य) को चलता किया जिससे ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 26 रन पर चार विकेट हो गया। बोल्ट ने इसके बाद मैक्सवेल और जम्पा की पारी को खत्म किया। लॉकी फर्ग्यूसन की जगह टीम में वापसी करने वाले टिम साउदी ने इस बीच स्मिथ को आउट किया। ऑस्ट्रेलिया ने श्रृंखला का पहला मैच दो विकेट से जीता था। तीसरा मैच इसी स्थल पर 11 सितंबर को खेला जायेगा।

इगा स्वियातेक और ओन्स जाबूर पहली बार अमरीकी ओपन के फाइनल में

न्यूयॉर्क। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियातेक और विंबलडन की उप विजेता ओन्स जाबूर ने विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करके पहली बार अमरीकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के फाइनल में प्रवेश किया। जाबूर ने गुरुवार की रात को अपनी सर्वश्रेष्ठ टेनिस का नजारा पेश किया तथा कारोलिन गर्सिया को आसानी से 6-1, 6-3 से शिकस्त देकर लगातार दूसरे ग्रैंड स्लैम फाइनल में जगह बनाई। उन्होंने जीत के बाद कहा- अब मैं वास्तविकता के अधिक करीब हूं। विंबलडन में मैं सपना जी रही थी और विश्वास नहीं कर पा रही थी कि मैं फाइनल में पहुंच गई हूं। जाबूर ने इस तरह से गर्सिया के 13 मैच के विजय अभियान पर रोक लगाई। ट्यूनीशिया की यह खिलाड़ी शनिवार को होने वाले फाइनल में स्वियातेक से भिड़ेगी जिन्होंने पहला सेट गंवाने के बाद छठी वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका को 3-6, 6-1, 6-4 से हराया। स्वियातेक तीसरे सेट में भी पिछड़ रही थी लेकिन उन्होंने आखिरी 4 गेम जीत कर फाइनल में जगह बनाई। उन्होंने आखिरी 20 पॉइंट में से 16 पॉइंट अपने नाम किए थे। स्वियातेक अमरीकी ओपन में इससे पहले कभी चौथे दौर से आगे नहीं बढ़ पाई थी लेकिन पोलैंड की 21 वर्षीय खिलाड़ी के नाम पर फ्रेंच ओपन के दो खिताब दर्ज हैं। पांचवीं वरीयता प्राप्त 28 वर्षीय जाबूर 1968 से शुरू हुए पेशेवर युग में अमरीकी ओपन के फाइनल में पहुंचने वाली पहली अफ्रीकी खिलाड़ी है।

जडेजा टी20 विश्वकप से बाहर हुए

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम को आगामी टी20 विश्वकप से पहले करार झटका लगा है। टीम के ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा फिट नहीं होने के कारण टी20 विश्व कप 2022 से बाहर हो गये हैं। जडेजा के घुटने की हाल ही में सर्जरी हुई है और उनके विश्वकप तक उबरने की कोई संभावना नहीं है। जडेजा यूएई में एशिया कप 2022 के दौरान चोटिल हो गये थे।

गौरतलब है कि जडेजा को घुटने की समस्या के कारण ही वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीयय सीरीज के लिए भी जगह नहीं मिली थी। अब एक रिपोर्ट के अनुसार, इस चोट की वजह से वह अब टी20 विश्व कप में भी नहीं खेल पाएंगे। इसमें कहा गया है कि जडेजा को दुबई में टीम इंडिया के होटल की 'बैकवाटर' सुविधा में कुछ जल-आधारित प्रशिक्षण गतिविधि से गुजरने के लिए कहा गया था। तब उन्हें ट्रेनिंग के दौरान चोट लग गई थी।

इसमें आगे कहा गया, उन्हें एक एडवेंचर एक्टिविटी के दौरान खुद को स्की बोर्ड पर संतुलित करना था। प्रशिक्षण मैनुअल का हिस्सा बिल्कुल नहीं था। यह बिल्कुल अनावश्यक था। इसमें वह फिसल गए इससे उनके घुटने की सर्जरी हुई। जडेजा की चोट के कारण बीसीसीआई में भी नाराजगी है, कुछ लोगों का कहना है कि एडवेंचर एक्टिविटी की गतिविधि की जरुरत नहीं थी। बोर्ड ने हालांकि अभी तक आधिकारिक तौर पर जडेजा की चोट की स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।

आईसीसी टी20 विश्व कप के अभ्यास मैच में आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड से भिड़ेगा भारत

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

भारत आईसीसी टी20 विश्व कप के अपने अभ्यास मैच में गत चैंपियन आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से क्रमशः 17 और 19 अक्टूबर को भिड़ेगा। रोहित शर्मा की अगुआई वाली भारतीय टीम अपने दोनों मैच ब्रिसबेन के गाबा में खेलेगी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने गुरुवार को इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही 16 टीम के अभ्यास मैच का कार्यक्रम जारी किया। एतिहासिक मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पहले दौर में हिस्सा ले रही टीम के अभ्यास मुकाबलों की मेजबानी 10 से 13 अक्टूबर तक करेगा जबकि ब्रिसबेन के गाबा और एलेन बॉर्डर फील्ड में सुपर 12 चरण में खेलने वाली टीम के अभ्यास मैच 17 से 19 अक्टूबर तक खेले जाएंगे। पहले अभ्यास मैच में 2012 और 2016 का चैंपियन वेस्टइंडीज 10 अक्टूबर को जंक्शन ओवल में संयुक्त अरब अमीरात से भिड़ेगा। पहले दौर में खेलने वाली प्रत्येक टीम को दो अभ्यास मैच खेलने को मिलेंगे। वर्ष 2009 का चैंपियन पाकिस्तान और 2010 का चैंपियन इंग्लैंड गाबा में 18 अक्टूबर को आमने सामने होंगे। टी20 विश्व कप 2014 का चैंपियन श्रीलंका अपने दो अभ्यास मैच मेलबर्न क्रिकेट मैदान पर 10 और 13 अक्टूबर को खेलेगा। आईसीसी ने कहा है कि दर्शकों को अभ्यास मुकाबलों के लिए स्टेडियम में आने की इजाजत नहीं होगी। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप की शुरुआत गीलोंग के कार्डीनिया पार्क स्टेडियम में श्रीलंका और नामीबिया के बीच 16 अक्टूबर के बीच होने वाले मुकाबले के साथ होगी।

आईसीसी ने आसिफ और फरीद पर लगाया जुर्माना

दुबई (एजेंसी)।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाकिस्तान के बल्लेबाज आसिफ अली और अफगानिस्तान के गेंदबाज फरीद अहमद पर जुर्माना लगाया है। यह दोनो खिलाड़ी एशिया कप सुपर फोर मुकाबले में मैदान पर ही झगड़ने लगे थे। ऐसे में आईसीसी ने दोनों को ही आचार संहिता के लेवल एक के अपराध का दोषी पाया है। आईसीसी ने इन दोनो पर मैच फीस का 25-25 फीसदी जुर्माना लगाया है। टकराव के बाद आसिफ को एशिया कप से प्रतिबंधित करने की भी मांग उठी थी। आसिफ ने फरीद को मारने के लिए बल्ला तक उठा लिया था।

आईसीसी के एक बयान के अनुसार आसिफ ने आईसीसी आचार संहिता की धारा 2.6 का उल्लंघन किया जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अश्लील, आक्रामक या अपमानजनक संकेत को लेकर है। वहीं फरीद को धारा 2-1 . 12 के उल्लंघन का दोषी पाया गया है। यह खिलाड़ी, सहयोगी स्टाफ, अंपायर , मैच रैफरी या किसी भी व्यक्ति के साथ अनुचित शारीरिक संपर्क से संबंधित है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान मैच के 19वें ओवर में पाक बल्लेबाज आसिफ और अफगानिस्तान के गेंदबाज फरीद अहमद भिड़ गए। इस ओवर की चौथी गेंद पर आसिफ ने फरीद को छक्का लगा दिया। वहीं अगली गेंद पर ही फरीद ने आसिफ को आउट कर दिया। आसिफ के आउट होने के बाद फरीद ने बल्लेबाज के सामने जाकर आक्रामक तरीके से जश्न मनाया। जिसके बाद आसिफ आक्रामक हो गये और उन्होंने फरीद के ऊपर बल्ला तान दिया।

लामिछाने ने रेप के आरोप को गलत बताया

जमैका । कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) खेल रहे नेपाल क्रिकेट टीम के कप्तान संदीप लामिछाने ने उनपर लगे बलात्कार के आरोपों को गलत बताया हुए कहा है कि वह नेपान लौटकर इस मामले का सामना करेंगे। लामिछाने ने कहा है कि उन्होंने सीपीएल से छुट्टी ले ली है और वह देश लौटकर अपने को निर्दोष साबित करेंगे। इस खिलाड़ी पर एक नाबालिग लड़की ने बलात्कार का आरोप लगाया है। इसको लेकर नेपाल की एक जिला अदालत ने लामिछाने के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया है। वहीं नेपाल क्रिकेट बोर्ड ने भी बलात्कार के आरोप के बाद लामिछाने को निलंबित कर दिया है। इस समय लामिछाने सीपीएल में जमैका तल्लावाह टीम की ओर से खेल रहे हैं। लामिछाने को पिछले साल ही नेपाल क्रिकेट टीम का कप्तान बनाया गया था। इस क्रिकेटर ने आईपीएल 2018 और 2019 में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेला था। कप्तान पर 17 साल की एक नाबालिग लड़की ने रेप का आरोप लगाया है। नाबालिग ने अपने अभिभावक के साथ इस सप्ताह की शुरुआत में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। नाबालिग की शिकायत पर काठमांडू पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। लामिछाने ने नेपाल की तरफ से 30 एकदिवसीय और 40 टी20 अंतरराष्ट्रीय में भाग लिया था।

एशिया कप के बाद इंग्लैंड के साथ टी20 सीरीज खेलेगी पाक

इस्लामाबाद । इंग्लैंड टीम टी20 सीरीज के लिए इसी माह पाकिस्तान पहुंचेगी। पाक टीम अगले महीने कराची और लाहौर में सात टी20 मैच खेलेगी। कराची में चार टी20 मैच 20 से 25 सितंबर के बीच खेले जायेंगे जबकि तीन टी20 मुकाबले लाहौर में 28 सितंबर से दो अक्टूबर के बीच होंगे। इंग्लैंड टीम ने अंतिम बार साल 2005 में पाक का दौरा किया था जबकि पाक ने दो बार 2012 और 2016 में इंग्लैंड की मेजबानी यूएई में की। पिछले साल टी20 विश्व कप से पहले इंग्लैंड टीम को पाक आना था पर जैव सुरक्षा घेरे (बायो बबल) की थकान और सुरक्षा चिंताओं के कारण उसने यह दौरा उस समय रद्द कर दिया था। उसी दौरे को अब आयोजित किया जा रहा है।

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने फिर रचा इतिहास, बने डायमंड लीग चैंपियन

ज्यूरिख (एजेंसी)।

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने यहां प्रतिष्ठित डायमंड लीग फाइनल्स का खिताब जीतकर एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। चोपड़ा यह खिताब जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट हैं।

चोपड़ा ने फाउल से शुरुआत की लेकिन अपने दूसरे प्रयास में 88.44 मीटर भाला फेंक कर वह शीर्ष पर पहुंच गए। यह उनके करियर का चौथा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है जो आखिर में उन्हें स्वर्ण पदक दिला गया। उन्होंने अपने अगले चार प्रयास में 88.00 मीटर, 86.11 मीटर, 87.00 मीटर और 83.60 मीटर भाला फेंका। चेक गणराज्य के ओलंपिक रजत पदक विजेता जैकब वाडलेज 86.94 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे। इसे उन्होंने अपने चौथे प्रयास में हासिल किया। जर्मनी के जूलियन वेबर 83.73 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

नीरज ने बाद में कहा, 'आज वाडलेज के साथ प्रतिस्पर्धा बहुत अच्छी रही। उसने भी अच्छे थ्रो किए। मुझे आज 90 मीटर तक भाला फेंकने की उम्मीद थी लेकिन मैं खुश हूं कि मेरे पास अब डायमंड ट्रॉफी है और यह सबसे महत्वपूर्ण है। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां से मेरे साथ मेरा परिवार भी है। उन्होंने कहा, यह पहला अवसर है जबकि वे किसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में आए हैं। वह मेरे साथ इसलिए आए हैं क्योंकि यह मेरी अंतिम प्रतियोगिता है और इसके बाद हम पेरिस में छुट्टियां मनाने चले जाएंगे।

नीरज ने कहा, इयुगेन में मैं चोटिल हो गया था और मुझे दो तीन सप्ताह आराम की जरूरत है। इसके बाद मैं रिहैब करूंगा और अगले साल की तैयारियों में जुट जाऊंगा। भारत का यह 24 वर्षीय खिलाड़ी अब ओलंपिक चैंपियन, विश्व चैंपियनशिप का रजत पदक विजेता और डायमंड लीग चैंपियन है। यह सब उपलब्धियां उन्होंने केवल 13 महीनों के अंदर हासिल की हैं। उन्होंने पिछले साल सात अगस्त को तोक्यो में ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता था।

चोपड़ा ने इस सत्र में छह बार 88 मीटर से अधिक दूर तक भाला फेंका जिससे उनकी निरंतरता का पता चलता है। उनके नाम पर 89.94 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड दर्ज है जो उन्होंने इसी सत्र में हासिल किया था। चोपड़ा ने अपने सत्र का समापन भी इतिहास रच कर किया। डायमंड लीग फाइनल्स को ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप से इतर सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिता माना जाता है।

चोपड़ा ने तीसरी बार डायमंड लीग फाइनल्स में भाग लिया। इससे पहले वह 2017 और 2018 में क्रमशः सातवें और चौथे स्थान पर रहे थे। चोपड़ा को इस जीत पर डायमंड ट्रॉफी, 30,000 डॉलर की पुरस्कार राशि और हंगरी के बुडापेस्ट में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023 के लिए वाइल्ड कार्ड मिला। वह हालांकि विश्व चैंपियनशिप के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुके थे।

मेजर ध्यानचंद पर बनेगी डॉक्यूमेंटी फिल्म

नई दिल्ली । हॉकी के जादूगर के नाम से लोकप्रिय मेजर ध्यानचंद पर अब एक डॉक्यूमेंटी फिल्म बनने जा रही है। उनके पोते ने इस डॉक्यूमेंटी फिल्म के बारे में जानकारी दी है। ध्यानचंद के पोते विशाल सिंह बारां में खेल अधिकारी के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने अपने दादा मेजर ध्यानचंद पर बनने वाली फिल्म के बारे में बताया कि इस वर्ष मेजर ध्यानचंद के जीवन पर एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म बनाई जा रही है। इसको लेकर झांसी में डायरेक्टर के साथ अनुबंध हो गया है। इस फिल्म में इस महान खिलाड़ी के जीवन और उससे जुड़ी घटनाओं के बारे में बताया जाएगा। विशाल ने कहा कि मेजर ध्यानचंद के जन्म से शुरू हुए संघर्ष और अंग्रेजी राज में ओलंम्पिक के अंदर स्वर्ण पदक जीतने से लेकर अंत तक की पूरी कहानी लोगों को दिखायी जाएगी। इस फिल्म में मेजर ध्यानचंद का किरदार एक्टर इशान खट्टर निभाएंगे। इस फिल्म को लेकर खिलाड़ियों के साथ ही लोगों में भी उत्साह है। एक हॉकी खिलाड़ी ने कहा कि बताया कि यह हर्ष का विषय है कि उनके जीवन पर फिल्म बनने जा रही है। मेजर ध्यानचंद को जीवन में आगे रखकर हमने हॉकी खेलना सीखा है। खिलाड़ियों के लिए उनका जीवन एक प्रेरक की तरह होता है। उनके कार्यकाल में भारतीय टीम ने हॉकी में 8 स्वर्ण पदक हासिल किये थे।

एनएच10 की स्थिति को लेकर उच्च न्यायालय सख्त

■ मरम्मत के लिए 31 जनवरी तक की सीमा तय

■ आदेश नहीं मानने पर कार्रवाई की चेतावनी

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 09 सितम्बर । सिक्किम की जीवन रेखा मानी जाने वाली एनएच10 की बदहाल स्थिति एवं इसकी मरम्मत एवं रखरखाव कार्यों की धीमी गति पर सिक्किम उच्च न्यायालय ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इसके सम्पूर्ण मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य हेतु 31 दिसम्बर 2022 की समय-सीमा तय कर दी है।

इसके साथ ही कोर्ट ने इस समय सीमा में एक महीने का और विस्तार देते हुए कहा है कि मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य 31 जनवरी 2023 के से आगे नहीं जाने चाहिए।

गौरतलब है कि गत 16 अगस्त को उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस विश्वजीत सोमाद्दार और जस्टिस मदन मोहन राई की खंडपीठ ने 2010 की एक जनहित रिट याचिका के मामले में संज्ञान लेते हुए सम्बंधित अधिकारियों को एक संयुक्त दौरा कर एनएच10 के क्षतिग्रस्त हिस्सों का मुआयना करने को कहा था। इस संयुक्त मुआयने के बाद जमा की गयी रिपोर्ट के आधार पर 6 सितम्बर को हाई कोर्ट ने एनएच 10 की मरम्मत कार्य पर गहरा असंतोष जताते हुए कहा कि अब इसके लिए एक समय सीमा तय करने का वक्त आ गया है।

हाई कोर्ट ने कहा, सड़क मरम्मत कार्य की प्रगति रिपोर्ट देखने के बाद यह लगता है कि एनएच10 के खासकर पश्चिम बंगाल के सेवक से सिक्किम के रंगपो तक मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य की रफ्तार काफी धीमी है। ऐसे में अदालत के समक्ष केवल इस हिस्से के लिए ही नहीं, बल्कि सेवक (पश्चिम बंगाल) से रानीपुल (पूर्व सिक्किम) तक पूरी सड़क सम्पूर्ण मरम्मत पूरा करने की एक सख्त समय सीमा तय करने का समय आ गया है। कोर्ट ने कहा, अदालत इसके लिए 31 दिसम्बर 2022, लेकिन अधिकतम 31 जनवरी 2023 तक की समय सीमा निर्धारित करता है।

अदालत ने आगे कहा कि इसका पालन न होने पर कोर्ट के पास उपयुक्त कार्रवाई करने के अलावा और कोई विकल्प नहीं होगा। हम यह स्पष्ट कर देना चाहते हैं कि यदि इस पूरी सड़क की मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य से जुड़े सम्बंधित संस्थाओं द्वारा इस समय सीमा का पालन नहीं किया जाता है, कोर्ट के पास इससे जुड़े लोगों एवं संस्थाओं के खिलाफ कड़े कदम उठाने के सिवा और कोई विकल्प नहीं होगा।

गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल के सेवक से पूर्व सिक्किम के रानीपुल तक पहुंची एनएच10 इस समूचे इलाके को जोड़ने वाली प्रमुख सड़क है। कोर्ट का मानना है कि इतनी महत्वपूर्ण सड़क होने के बावजूद एनएच10 की मरम्मत एवं जीर्णोद्धार का कार्य काफी धीमी गति से हो रहा है।

गत 20 अगस्त को एमिकस क्यूरी ताशी राख्रदेन बारफुंग्पा ने निर्माण संस्थाओं इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड, एनएचपीसी, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग डिवीजन, पश्चिम बंगाल नेशनल हाईवे डिवीजन के प्रतिनिधियों के साथ सड़क का संयुक्त निरीक्षण किया था। इस निरीक्षण के बाद 5 सितम्बर को इरकॉन और एमिकस क्यूरी की ओर से कोर्ट में दो हलफनामे दाखिल किये गये थे।

अपने हलफनामे में बारफुंग्पा ने बताया था कि राष्ट्रीय राजमार्ग की पहाड़ी तरफ के 22.10 किमी., 23.15 किमी., 24.60 किमी., 24.75 किमी. और 24.60 किमी. इलाकों में क्षतिग्रस्त हिस्से के सघन निरीक्षण के बाद टीएलडी-3 पावर स्टेशन के कार्यालय में विस्तृत चर्चा की गयी थी। उसमें कुछ निर्णय लिये गये हैं। जब तक नदी का जलस्तर कम नहीं हो जाता, तब तक क्षति का वास्तविक कारण जाना नहीं जा सकता है।

वहीं इरकॉन ने अपने हलफनामे में एनएच10 के गुणवत्तापूर्ण मरम्मत तथा रखरखाव हेतु निर्धारित मापदंडों के अनुरूप कार्य करने की प्रतिबद्धता जतायी थी। वहीं अपने हलफनामे में बारफुंग्पा ने यह भी कहा था कि रानीपुल से रंगपो तक के साथ ही पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी तक राष्ट्रीय राजमार्ग की तुरंत समुचित मरम्मत एवं जीर्णोद्धार की अत्यंत जरूरत है।

वहीं उन्होंने मार्तांम स्लाइड तथा कपूर मोड़ में वर्षों से जारी कार्य की धीमी गति और सिंगताम 20 माइल तथा रंगपो के बीच भी सड़क की खतरनाक स्थिति के बारे में अवगत कराया था। अदालत ने इस मामले में अगली सुनवाई का दिन 20 अक्टूबर को निर्धारित किया है।

राज्यपाल ने पांग ल्हाबसोल पर दी शुभकामनाएं

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 09 सितम्बर । सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद ने पांग ल्हाबसोल के पावन अवसर पर सिक्किम के लोगों को हार्दिक बधाई दी है।

यहां जारी अपने संदेश में राज्यपाल ने कहा कि पांग ल्हाबसोल सिक्किम का एक अनूठा त्योहार है जो सिक्किम के संरक्षक देवता के रूप में माउंट कंजनजंघा के अभिषेक के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष मनाया जाता है। 13वीं शताब्दी में इसी दिन ऐतिहासिक काबी लुंगचोक में लेख्चा और भूटिया जनजातियों के बीच एकता और भाईचारे का एक समझौता किया गया था। लेख्चा सरदार थेकोंग थेक और भूटिया सरदार खे बुमसा के बीच राजसी और श्रद्धेय माउंट कंचनजंगा को प्रमुख गवाह के रूप में रखते हुए सिक्किम को भाईचारे, एकता, शांति और शांति की भूमि के रूप में आगे बढ़ाने का समझौता किया गया था।

राज्यपाल ने कहा कि हम अपने अभिभावक देवता माउंट कंचनजंघा की पूजा करते हैं और सभी सिक्किमियों को प्राकृतिक आपदाओं, बीमारियों और आपदाओं से बचाने के लिए आभार व्यक्त करते हैं, और भविष्य के लिए निरंतर संरक्षण और आशीर्वाद भी चाहते हैं। अपने संदेश में, राज्यपाल ने कहा कि पांग ल्हाबसोल सिक्किम के लोकाचार का प्रतीक एक महत्वपूर्ण त्योहार है और इस मायने में अद्वितीय है कि इसे लेप्चा, भूटिया, नेपाली, व्यपारी और यहां के लोगों द्वारा बहुत सम्मान के साथ एकता के त्योहार के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने इतने वर्षों में त्योहार की पवित्रता को बरकरार रखने और प्रकृति मां की विशेष पूजा के साथ हमारी एकता और

भाईचारे का जश्न मनाने के लिए पांग ल्हाबसोल उत्सव समिति के प्रयासों की सराहना की।

राज्यपाल ने कहा कि इस शुभ अवसर पर, आइए हम सभी सिक्किम की आबादी के सभी वर्गों के बीच भाईचारे और सद्भाव को मजबूत करने और बढ़ावा देने के लिए अपने सामूहिक प्रयासों को आगे बढ़ाएं। आइए हम अनंत काल तक अपनी विशिष्ट सिक्किमी पहचान को बनाए रखने की अपनी प्रतिज्ञा को नवीनीकृत करें।

धूमधाम के साथ सम्पन्न हुआ इंद्रजात्रा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 09 सितम्बर । इंद्रजात्रा सिक्किम के नेवार समुदाय का प्रमुख त्योहार है जो पारंपरिक उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया।

कैबिनेट मंत्री संजीत खरेल, सार्वजनिक स्वास्थ्य और इंजीनियरिंग विभाग (पीएचईडी) मंत्री भीम हांग सुब्बा और शहरी विकास तथा आवास विभाग (यूडीएचडी) के मंत्री एलबी दास, सीएम के राजनीतिक सचिव जैकब खालिंग, सीएम के ओएसडी भानु प्रधान इस अवसर पर गणमान्य व्यक्तियों में उपस्थित रहे।

उत्सव के दौरान इसके एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में कुमारी पूजा भी की गई। सिक्किम नेवार गुठी ने समारोह का आयोजन किया, जिसमें विभिन्न नृत्य मंडली ने कार्यक्रम में सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किया। इंद्र जात्रा या 'येन्या' सिक्किम में नेपाली नेवार समुदाय के लिए सबसे बड़ा त्योहार है और पूरे राज्य में बहुत धूमधाम से मनाया जाता है।

बारिश के हिंदू देवता और स्वर्ग के राजा भगवान इंद्र की इसमें पूजा की जाती है और उन्हीं के नाम पर इस त्योहार का नामकरण भी किया गया है। यह पर्व बारिश के रूप में उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए मनाया जाता है। विशाल शोभायात्रा, मुखौटा नृत्य और शास्त्रीय नृत्यु इस पर्व की विशेष पहचान हैं।

त्योहार की किंवदंती वैदिक काल से जुड़ी है जब कथित रूप से भगवान इंद्र को काठमांडू घाटी के लोगों द्वारा कैद कर लिया गया था।

उन्हें अपनी मां के लिए घाटी से दुर्लभ और सुगंधित 'पारिजात फूल' चुराते हुए पकड़ा गया था। जब लोगों को पता चला कि वे वास्तव में कौन हैं तो उन्हें छोड़ दिया गया। बदले में उनसे हर साल घाटी की यात्रा करने का अनुरोध किया गया, जिससे बारिश और समृद्धि का आशीर्वाद मिलता रहे।

हालांकि यह मुख्य रूप से एक नेपाली त्योहार है, यह सिक्किम में भी नेपाली नेवार गुठी समुदाय द्वारा बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। सिक्किम में इसे वृहत स्तर पर मनाने की शुरुआत वर्ष 2000 में हुई। इसके बाद 2011 में इस अवसर पर राज्य अवकाश घोषित किया गया था।

सीबीआई ने रिश्वत के आरोप में एफसीआई डिपो मैनेजर को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली, 09 सितम्बर (एजेन्सी)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने शुक्रवार को आंध्र प्रदेश के भीमावरम में भारतीय खाद्य निगम के एक डिपो मैनेजर को 15,000 रुपये की रिश्वत मांगने और लेने के आरोप में गिरफ्तार किया।

एफसीआई अधिकारी पेड़ा बाबू राव के खिलाफ मजदूरी के भुगतान के संबंध में प्रतिकूल प्रविष्टियों को चिह्नित नहीं करने के लिए हर महीने 35 मजदूरों से 25,000 रुपये की रिश्वत मांगने का मामला दर्ज किया गया था।

सीबीआई ने जाल बिछाकर आरोपी को शिकायतकर्ता से 15 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ लिया।

एक अधिकारी ने कहा, 'आरोपी के आवासीय और कार्यालय परिसरों में तलाशी ली गई, जिसमें आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए गए।'

राव को सीबीआई की विशेष अदालत में पेश किया गया, जिसने उन्हें 22 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

डियर साप्ताहिक लॉटरी

पश्चिम बर्धमान निवासी ने ₹1 करोड़ जीते

पश्चिम बर्धमान, पश्चिम बंगाल के श्री सुभाष कुमार रॉय ने **06.08.2022** को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नम्बर **96D 43251** है। "डियर लॉटरी में एक करोड़ रुपए पुरस्कार राशि प्राप्त करना बेहद आश्चर्यजनक है। मुझे एक करोड़पति बनाने के लिए मैं नागालैंड स्टेट लॉटरीज के साथ ही डियर लॉटरी को भी धन्यवाद देना चाहता हूं। मेरे दोस्त मुझे काफी भाग्यशाली व्यक्ति बता रहे हैं जिससे मैं काफी प्रसन्न हूं। मेरे परिवार के सभी सदस्य भी काफी खुश हैं। मैं सुरक्षित निवेश करूंगा जिससे हमारे परिवार को आर्थिक सुरक्षा मिल सके। इसके अलावा हम इस पैसे का कुछ अन्य तरीकों से भी निवेश करेंगे।" विजेता ने कहा।

सत्यपाल मलिक ने राहुल की तारीफ की, बोले- भारत जोड़ो यात्रा से देश को उम्मीद

मेरठ, 09 सितम्बर (एजेनसी)। मेघालय के राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि उनकी 'भारत जोड़ी यात्रा' देश के लिए कुछ अच्छा करेगी। बता दें कि कई मौकों पर पीएम नरेंद्र मोदी और उनकी नीतियों की सत्यपाल मलिक आलोचना करते रहते हैं। इस बार भी मलिक ने न सिर्फ राहुल गांधी की तारीफ बल्कि पीएम मोदी पर निशाना भी साधा। राजपथ के कर्तव्य पथ किए जाने को लेकर मलिक ने व्यंग्य कसा और कहा कि पीएम हर तीसरे दिन कोई न कोई उद्घाटन करते रहते हैं। शायद उस दिन कुछ नहीं होगा इसलिए राजपथ का नाम बदल दिया।

उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के मूढ़ी बाकापुर गांव में एक कार्यक्रम के दौरान एक सभा को संबोधित करते हुए सत्यपाल मलिक ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी अच्छा काम कर रहे हैं और उनके प्रयासों को शुभकामनाएं दीं। मलिक ने शुक्रवार को एचटी से फोन पर बात करते हुए कहा, 'अगर मैं उनके प्रयास की सराहना कर रहा हूं तो आप इसे उनके (राहुल गांधी) के लिए मेरी शुभकामनाएं मान सकते हैं।'

यह पूछे जाने पर कि आजादी से पहले और बाद में देश में कई यात्राएं हुई हैं और उन सभी के अच्छे परिणाम मिले हैं, उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि इस यात्रा (भारत जोड़ी यात्रा) का भी देश के लिए कुछ अच्छा परिणाम होगा।' मलिक ने स्पष्ट किया कि वह पीएम के खिलाफ नहीं थे, लेकिन उन्होंने जो मुद्दे उठाए थे, वे उनके (पीएम के) फायदे में होंगे, अगर उन्होंने उन पर कार्रवाई की।

मेघालय के राज्यपाल ने आगे कहा कि 'राजपथ' का नाम बदलने की कोई आवश्यकता नहीं है क्योंकि, जैसा कि उन्होंने दावा किया, यह नाम देश के पहले पीएम पंडित जवाहरलाल नेहरू ने दिया था, न कि अंग्रेजों ने। 'राजपथ' - राष्ट्रपति भवन और इंडिया गेट के बीच सड़क का विस्तार है। बता दें कि केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना के हिस्से के रूप में 'कर्तव्य पथ' का नाम बदल दिया गया है।

राज्यपाल ने व्यंग्य करते हुए कहा कि पीएम हर तीसरे दिन उद्घाटन करते हैं और शायद गुरुवार को कुछ भी निर्धारित नहीं था और इसलिए 'राजपथ' का नाम बदल दिया गया और उन्होंने इसका उद्घाटन किया।

सत्यपाल मलिक ने आगे कहा कि देश में किसान और युवा गहरे संकट में हैं। उन्होंने कहा, 'सरकार ने एमएसपी समिति के अध्यक्ष के रूप में एक व्यक्ति को नियुक्त किया है जिसने तीन विवादास्पद कृषि कानून तैयार किए हैं। अगर एमएसपी के मुद्दे पर कुछ नहीं होता है, तो इससे किसानों और सरकार के बीच एक बड़ी लड़ाई होगी।'

राज्यपाल ने कहा कि वह पीएम के साथ मुद्दों को उठा सकते हैं क्योंकि उनके पास कुछ भी नहीं है अन्यथा प्रवर्तन निदेशालय और आयकर विभाग पहले ही उन पर छापा मार चुके होते। केंद्र की अग्निपथ योजना की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा, 'अगर देश की 'फौज' (सेना) और किसान मजबूत नहीं होते तो देश की सुरक्षा प्रभावित होती।'

उन्होंने यह भी कहा कि जब से किसान आंदोलन शुरू हुआ है तब से उन्होंने अपना इस्तीफा अपनी जेब में तैयार रखा है। मलिक ने कहा कि जब भी प्रधानमंत्री उनसे ऐसा करने के लिए कहेंगे, वह तुरंत अपना इस्तीफा सौंप देंगे।

मैं नहीं चाहता कि सुप्रीम कोर्ट 'तारीख पे तारीख' कोर्ट बने... जस्टिस चंद्रचूड़ की टिप्पणी

नई दिल्ली, 09 सितम्बर (एजेन्सी)। देश में जैसे ही कोर्ट-कचहरी का नाम लिया जाता है तो लोगों के दिमाग में यही ख्याल आता है कि बहुत समय लगने वाला है। पता नहीं कितनी तारीखें पड़ेंगी जिस पर उपस्थित होना पड़ेगा। कोर्ट के लिए तारीख पे तारीख वाला डायलॉग भी याद ही होगा। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट की ओर से भी इसी तरह के शब्द इस्तेमाल किए गए। एक मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि हम नहीं चाहते कि सुप्रीम कोर्ट तारीख पे तारीख अदालत बने।

दरअसल, जस्टिस चंद्रचूड़ ने 'दामिनी' फिल्म के एक चर्चित डायलॉग को दोहराते हुए दीवानी अपील में एक हिंदू पुजारी की ओर से पेश वकील से कहा, 'यह शीर्ष अदालत है और हम चाहते हैं कि इस अदालत की प्रतिष्ठा बनी रहे।' 'दामिनी' फिल्म में अभिनेता सनी देओल ने मामले में लगातार स्थगन और नयी तारीख दिए जाने पर आक्रोश प्रकट करते हुए 'तारीख पे तारीख' वाली बात कही थी।

पीठ ने कहा कि जहां न्यायाधीश मामले की फाइल को ध्यान से पढ़कर अगले दिन की सुनवाई की तैयारी करते हुए आधी रात तक तैयारी करते रहते हैं, वहीं वकील आते हैं और स्थगन की मांग करते हैं। पीठ ने सुनवाई रोक दी और बाद में, जब बहस करने वाले वकील मामले में पेश हुए, तो पीठ ने अपील में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया और पुजारी को हाई कोर्ट का रुख करने के लिए कहा।

एक अन्य मामले में, जस्टिस चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने एक वकील के खिलाफ एक हाई कोर्ट द्वारा की गई टिप्पणी को यह कहते हुए हटाने से इनकार कर दिया कि हाई कोर्ट को अदालत कक्ष में अनुशासन बनाए रखना होता है और शीर्ष अदालत के लिए उनके गैर पेशेवर आचरण पर उन टिप्पणियों को हटाना उचित नहीं होगा। संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत याचिका दायर करने पर पीठ नाराज हो गई और कहा कि इस याचिका में मांगी गई राहत नहीं दी जा सकती। अनुच्छेद 32 मौलिक अधिकारों को लागू कराने के लिए शीर्ष अदालत जाने के अधिकार से संबंधित है।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, 'इस तरह के तुच्छ मुकदमों के कारण सुप्रीम कोर्ट निष्प्रभावी होता जा रहा है। अब समय आ गया है कि हम एक कड़ा संदेश दें अन्यथा चीजें मुश्किल हो जाएंगी। इस तरह की याचिकाओं पर खर्च किए गए हर 5 से 10 मिनट एक वास्तविक वादी का समय ले लेता है, जो वर्षों से न्याय का इंतजार कर रहा होता है।' उन्होंने कहा कि आजकल लगभग 60 मामलों को विविध दिनों में सूचीबद्ध किया जाता है, जिनमें से कुछ को देर रात सूचीबद्ध किया जाता है। उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा, 'मुझे मामलों की फाइल पढ़ने के लिए सुबह साढ़े तीन बजे उठना पड़ता है। न्यायाधीश कड़ी मेहनत कर रहे हैं, लेकिन वकील अपने मामले में बहस करने को तैयार नहीं हैं। यह ठीक नहीं है।'

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com